



परिश्रम के द्वारा मजिल तब प्राप्त होती है, जब अपना ध्यान मजबूत होता है।

Hand work begets us the destination only when we have determined meditation.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

● अंक : 101 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रुपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

# पीएम मोदी ने दिल्ली में किया रावण दहन

■ बोले- ‘राष्ट्र प्रथम’ का संकल्प लेकर देश के दुश्मनों को हाना होगा

नई दिल्ली। विजयादशमी के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली के आईपी एक्सटेशन स्थित रामलीला मंच पहुंचकर रावण दहन किया और देशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। यह पहला अवसर था जब देश के प्रधानमंत्री यमुनापार की इस भव्य रामलीला में शामिल हुए। मंच पर पहुंचते ही पीएम मोदी ने हाथ हिलाकर जनता का अभिवादन स्वीकार किया, जिसके बाद पूरे प्रांगण में ‘सिंघावर रामचंद्र की जय’ के जयकारे गूंज उठे। जनसभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि आज हर घर में राम का वास है।



विजयादशमी केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि भारत की प्राण ऊर्जा है। उन्होंने कहा, हम हजारों वर्षों से प्रभु राम को पूजते आ रहे हैं – इसलिए नहीं कि उन्होंने रावण का संहार किया, बल्कि इसलिए क्योंकि उन्होंने समाज को ऐसे आदर्श दिए जो संपूर्ण मानवता के लिए अतुल्य हैं। पीएम ने प्रभु राम

के जीवन-मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान राम ने जीवन में अनेक कष्ट सहने के बावजूद कभी सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा। न तो उन्हें राजपाट मिलने की अति-प्रसन्नता थी और न ही वन जाने का कोई शोक। वनवास के दौरान उन्होंने निषादराज को गले लगाया और माता शबरी को मान-सम्मान

देकर दया, करुणा और सौहार्द का ऐसा मानदंड स्थापित किया, जो आज भी सुशासन और ‘रामराज्य’ का आधार है। प्रधानमंत्री ने कहा कि प्रभु राम का जीवन हमें सिखाता है कि संकट चाहे कितना भी बड़ा हो, हमें दूसरों के भरोसे बैठने के बजाय अपने सामर्थ्य पर भरोसा करना चाहिए।

देश को तोड़ने वाली ताकतों से सतर्क रहने का आह्वान

विजयादशमी के पर्व को साहस और विजय का प्रतीक बताते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अगर हम मानवता और सत्य के साथ खड़े हैं, तो शत्रु कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, विजय हमारी ही होगी। उन्होंने देशवासियों से ‘राष्ट्र प्रथम’ का संकल्प लेने का आह्वान करते हुए कहा कि हमें देश को तोड़ने वाली, सांस्कृतिक नष्ट फैलाने वाली और भारत के सम्मान को घोट पहुंचाने वाली ताकतों के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा। संबोधन के पश्चात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रामलीला में प्रभु राम, माता सीता और लक्ष्मण का किर्दार निभा रहे कलाकारों की विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके बाद उन्होंने प्रतीक रूप में धनुष से तीर चलाकर रावण दहन किया।

## रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री साय ने रावघाट-रायपुर रेल सेवाओं को दिखाई हरी झंडी

■ ताड़ोकी - रावघाट एवं अभनपुर - कुरूद रेलखंडों का लोकार्पण, रायपुर में आधुनिक इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मटेनेंस फैसिलिटी की आधारशिला



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी के विस्तार की दिशा में आज एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन से रावघाट - रायपुर एवं रायपुर - कुरूद नई यात्री रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसी अवसर पर ताड़ोकी - रावघाट तथा अभनपुर - कुरूद रेलखंडों का लोकार्पण किया गया और रायपुर में आधुनिक इलेक्ट्रिक रेल इंजन मटेनेंस फैसिलिटी की आधारशिला रखी गई।

ताड़ोकी से रावघाट तक रेल लाइन का निर्माण पूरा होने के साथ आजादी के बाद पहली बार रावघाट रेल नेटवर्क से जुड़ गया है। बस्तर और दक्षिण छत्तीसगढ़ के दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों का लिए यह उपलब्धि विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। नई रेल सेवाओं से इन क्षेत्रों का राजधानी रायपुर सहित प्रदेश के अन्य प्रमुख केंद्रों से संपर्क बेहतर होगा तथा आवागमन के साथ व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रावघाट तक पहली बार रेल पहुंचना केवल एक रेल परियोजना की पूर्णता नहीं, बल्कि बस्तर के विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलना है। रेल जहाँ पहुँचती है, वहाँ विकास की गति बढ़ती है। इससे लोगों का आवागमन आसान होता है, बाजारों तक पहुँच बढ़ती है, संपर्क बेहतर होगा तथा आवागमन के साथ व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार



का अभूतपूर्व दौर चल रहा है। केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार का प्रयास है कि आधुनिक रेल सुविधाओं का लाभ केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहे, बल्कि बस्तर और सरगुजा सहित प्रदेश के दूरस्थ एवं जनजातीय अंचलों तक पहुँचे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि रावघाट तक पहली बार रेल पहुंचना केवल एक रेल परियोजना की पूर्णता नहीं, बल्कि बस्तर के विकास की नई संभावनाओं का द्वार खुलना है। रेल जहाँ पहुँचती है, वहाँ विकास की गति बढ़ती है। इससे लोगों का आवागमन आसान होता है, बाजारों तक पहुँच बढ़ती है, संपर्क बेहतर होगा तथा आवागमन के साथ व्यापार, उद्योग, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में रेल अधोसंरचना के विस्तार

कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने के साथ विकास के नए द्वार खोलेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में रेल अधोसंरचना में ऐतिहासिक निवेश केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के लिए बड़े पैमाने पर कार्य किए जा रहे हैं। वर्तमान में प्रदेश में लगभग 54 हजार करोड़ रुपए की रेल विकास परियोजनाओं पर काम चल रहा है। इस वर्ष रेलवे द्वारा छत्तीसगढ़ के लिए 7,470 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है। उन्होंने कहा कि रावघाट तक रेल संपर्क स्थापित होना और रावघाट - रायपुर तथा रायपुर - कुरूद यात्री रेल सेवाओं की शुरुआत इसी व्यापक विकास यात्रा की महत्वपूर्ण कड़ी है। आने वाले समय में रावघाट से जगदलपुर तक रेल संपर्क विकसित करने की दिशा में भी कार्य किया जा रहा है।

## पुलिस स्मृति दिवस : पीएम ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

■ उनका साहस और बलिदान हमेशा रहेगा याद : पीएम मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुलिस स्मृति दिवस पर उन बहादुर पुलिसकर्मियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। पीएम मोदी ने कहा कि इन जवानों का साहस, अदृष्ट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान देश की स्मृतियों में सदैव अंकित रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, पुलिस स्मृति दिवस हमारे पुलिस कर्मियों के प्रति गहरा आभार व्यक्त करने का अवसर है, जो अत्यंत कठिन परिस्थितियों में भी पूरी निष्ठा के साथ अपनी सेवाएं देते हैं। कानून-व्यवस्था बनाए रखने से लेकर अपराधों को सज्जने, आपातकालीन



स्थितियों में मदद करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तक, उनका योगदान अमूल्य है। उन्होंने आगे कहा, हम उन बहादुर पुलिस कर्मियों को सादर श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने कर्तव्य निभाते हुए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उनका साहस, अदृष्ट समर्पण और सर्वोच्च बलिदान हमारे देश की स्मृतियों में सदैव अंकित रहेगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस अवसर पर पुलिस बलों के



शहीदों को नमन किया। उन्होंने एक्स पर लिखा, पुलिस स्मृति दिवस पर, हमारे पुलिस बलों के उन शहीदों को नमन, जिन्होंने देश के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। हमारे पुलिसकर्मियों ने मातृभूमि की आन-बान और नागरिकों की रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर देशभक्ति का सर्वोत्तम उदाहरण पेश किया है। मैं राष्ट्र की ओर से उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूँ।

## वन मंत्री केदार कश्यप ने लालबाग में लिया तैयारियों का जायजा

■ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 अक्टूबर को जगदलपुर प्रवास सिरहासार के ऐतिहासिक मुरिया दरबार और लालबाग की आमसभा में होगी शामिल

जगदलपुर (विश्व परिवार)। महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आगामी 23 अक्टूबर को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के एकदिवसीय महत्वपूर्ण प्रवास पर आ रही हैं। अपने इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान राष्ट्रपति सिरहासार भवन में आयोजित पारंपरिक मुरिया दरबार में शिरकत करेंगी तथा इसके बाद लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी।

राष्ट्रपति के आगमन को ध्यान में रखते हुए तैयारियां अंतिम चरण में हैं। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने लालबाग मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, वीआईपी दीर्घा, सुरक्षा घेरा, यातायात प्रबंधन और आम नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े तमाम



बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव, महापौर श्री संजय पाण्डे सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस मौके पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री बीएन मोणा, मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्टायलो मंडावी, कलेक्टर श्री आकाश छिंका, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, वन मंडलाधिकारी श्री दीपेश कपिल, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

## संबित पात्रा का राहुल गांधी और संजय राउत पर जुबानी हमला



नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी और शिवसेना यूबीटी के नेता संजय राउत पर तीखे जुबानी हमले किए हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजयदशमी पर दिए गए भाषण का मतलब बताते हुए दोनों नेताओं को देश का दुश्मन कहा है। संबित पात्रा ने कहा कि विदेश जाकर भारत की चुनी हुई सरकार गिराने के तरीके सीखने वाले लोग देश को दुश्मन हैं। संबित पात्रा ने संजय राउत पर अल्वानिया की संसद में आग लगने की तस्वीरें दिखाकर भारत में भी ऐसी घटनाओं की बात करने का आरोप लगाया।

## दो दशक बाद छत्तीसगढ़ में गहराया बिजली संकट

■ मांग पूरी करने के लिए चार राज्यों से खरीदनी पड़ रही बिजली



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में बिजली की मांग में भारी बढ़ोतरी के चलते खासकर पीक आवर्स में ग्रामीण इलाकों और औद्योगिक क्षेत्र में बिजली कटौती करना पड़ रहा है। बिजली की मांग और उपलब्धता के बीच एक हजार से 1,500 मेगावाट तक का अंतर आ रहा है। इस मांग को पूरा करने के लिए एल्टीसी कंपनी को अब महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा से बिजली खरीदनी पड़ रही है। राज्य में करीब दो दशक बाद ऐसा पहली बार हुआ है जब प्रदेश में बिजली की कमी दूर करने के लिए लगातार खरीद की स्थिति बनी है। अक्टूबर माह में पहली बार उपजे इस बिजली संकट के पीछे तापमान

का बढ़ना और कृषि कार्यों के लिए बिजली की खपत में हुआ इजाफा मुख्य कारण रहा है। छत्तीसगढ़ अब तक बिजली के मामले में सरप्लस राज्य की श्रेणी में रहा है, लेकिन इस अक्टूबर में पहली बार उसे बिजली खरीदने की नौबत का सामना करना पड़ा है। बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, पहले गर्मियों में सुबह के समय थोड़ी कमी होने पर सरप्लस राज्यों से बिजली लेकर आपूर्ति कर ली जाती थी, और सर्दियों में जब जम्मू-कश्मीर जैसे राज्यों को जरूरत पड़ती थी, तब छत्तीसगढ़ उन्हें बिजली उपलब्ध कराता था।

## बुराई पर अच्छाई की विजय का संदेश देता है विजयादशमी का पर्व: मुख्यमंत्री

■ मुख्यमंत्री श्री साय ऐतिहासिक रावणभाटा मैदान में आयोजित विजयादशमी उत्सव में हुए शामिल, प्रदेशवासियों को दी दशहरा पर्व की शुभकामनाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के ऐतिहासिक रावणभाटा मैदान में आयोजित विजयादशमी उत्सव में शामिल हुए। उन्होंने प्रदेशवासियों को विजयादशमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व अधर्म पर धर्म, असत्य पर सत्य, अन्याय पर न्याय और बुराई पर अच्छाई की विजय का शाश्वत संदेश देता है। विजयादशमी हमें अपने जीवन में सत्य, धर्म, न्याय और मानवता के मूल्यों को आत्मसात करने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हम प्रतिवर्ष रावण का पुतला दहन करते हैं, लेकिन इस पर्व का वास्तविक सार्थकता तभी है, जब हम अपने भीतर



विद्यमान काम, क्रोध, मद और लोभ रूपी रावण का भी वध करें। विजयादशमी आत्ममंथन का अवसर है। यह पर्व हमें अपनी कमजोरियों और बुराइयों पर विजय प्राप्त कर सदुर्गों को अपनाने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि रायपुर का ऐतिहासिक रावणभाटा मैदान दशहरा उत्सव की लगभग 170 वर्ष पुरानी गौरवशाली परंपरा का साक्षी है। पीढ़ियों से यहां विजयादशमी का पर्व पूरे उल्लास, श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया जाता रहा है। यह मैदान केवल रावण दहन का स्थल नहीं, बल्कि

हमारी सांस्कृतिक विरासत, सामाजिक एकता और सामूहिक आस्था का महत्वपूर्ण केंद्र भी है। उन्होंने इस ऐतिहासिक परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए आयोगन समिति और इससे जुड़े सभी लोगों की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर रावणभाटा दशहरा उत्सव के आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 10 लाख रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि हमारी गौरवशाली सांस्कृतिक परंपराओं और विरासत का संरक्षण तथा संवर्धन हमारी जिम्मेदारी है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों

से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

प्रभु श्रीराम से छत्तीसगढ़ का आत्मीय और अदृष्ट संबंध

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए विजयादशमी का विशेष महत्व है, क्योंकि प्रभु श्रीराम का इस पावन धरती से अत्यंत गहरा और आत्मीय संबंध रहा है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का निनिहाल है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार वनवास काल में भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण जी ने छत्तीसगढ़ की धरती पर लंबा समय व्यतीत किया। यही कारण है कि प्रभु श्रीराम की स्मृतियां और उनके आदर्श प्रदेश की लोकसंस्कृति, लोकजीवन और जनमानस में गहराई से रचे-बसे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम का संपूर्ण जीवन सत्य, मर्यादा, धैर्य, साहस, त्याग और न्याय के प्रति अदृष्ट निष्ठा का अनुपम उदाहरण है।

## नक्सलवाद पर गृह मंत्री अमित शाह का बड़ा बयान

■ कहा- ‘आंतरिक सुरक्षा के तीन हॉटस्पॉट अब शांत’



नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि देश ने आंतरिक सुरक्षा की तीन बड़ी चुनौतियों—कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद से निपटने में उल्लेखनीय प्रगति की है। पुलिस स्मृति दिवस पर नई दिल्ली में बोलेते हुए उन्होंने इन क्षेत्रों को अब शांत बताया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, हाल के वर्षों में देश ने कई चुनौतियों का सामना किया है। इनमें तीन ऐसी बड़ी समस्याएं शामिल थीं, जिन्हें हमने दशकों तक झेला और जो हमारी आंतरिक सुरक्षा के लिए बेहद संवेदनशील इलाके माने जाते थे: कश्मीर, पूर्वोत्तर और वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित पूरा क्षेत्र। आज, ये तीनों इलाके शांत हैं। यहां विकास के लिए अनुकूल माहौल बना है और ये

क्षेत्र अब विकास के मामले में देश के बाकी हिस्सों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने आगे बताया कि कश्मीर में आतंकवाद पर काफी हद तक लगाम लगाई जा चुकी है। कई समझौतों और हजारों लोगों द्वारा हथियार डालने के बाद पूरा पूर्वोत्तर शांति की ओर बढ़ रहा है। पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पांच दशकों से कई राज्यों में फैली नक्सल समस्या को लगभग खत्म करने में बड़ी सफलता हासिल की है।

## रायपुर के बिजनेसमैन की ताज होटल में मिली लाश



रायपुर। राजधानी रायपुर के बिजनेसमैन की लाश चंडीगढ़ के ताज होटल में मिली है। मृतक की पहचान दीपक मित्तल (56) के रूप में हुई है। दीपक राइस मिल के मालिक थे, मार्केटिंग की बैठक में शामिल होने चंडीगढ़ गए थे। बुधवार सुबह लाश मिलने की सूचना पर थाना-17 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। जनकारी के अनुसार, सुबह 6 बजे एक वेटर रूम में पहुंचा तो गेट खुला था। उसने पाया कि बिजनेसमैन बेसुध होकर बेड पर लेटे थे। उसने उठाने की कोशिश की, लेकिन वे होश में नहीं आए। उसने तुरंत होटल मैनेजर को बुलाया।



# डीईओ अशोक कुमार सिन्हा ने ली जिले के दो सौ ग्यारह संकुल समन्वयकों की बैठक

सूरजपुर ब्यूरो ( दैनिक विश्व परिवार )- जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा ने आज जिले के सभी छह विकासखंडों के 211 संकुल समन्वयकों की जिला स्तरीय बैठक ली। बैठक शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, विश्रामपुर में दो पालियों में आयोजित हुई। पहली पाली में ओडगी, प्रतापपुर और प्रेमनगर विकासखंड के संकुल समन्वयक शामिल हुए। दूसरी पाली में सूरजपुर, भैयाथान और रामानुजनगर विकासखंड के संकुल समन्वयकों ने भाग लिया।

**संकुल समन्वयक: शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी-** बैठक को संबोधित करते हुए डीईओ श्री सिन्हा ने कहा कि संकुल समन्वयक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ की हड्डी हैं। विभाग की हर योजना, हर निर्देश और हर शैक्षणिक पहल अंततः स्कूल तक संकुल समन्वयकों के माध्यम से ही पहुँचती हैं। वे शासन-प्रशासन और स्कूल के बीच की सबसे मजबूत कड़ी हैं।वे अपने संकुल के प्रत्येक स्कूल की वास्तविक स्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति, बच्चों के सीखने के स्तर और मत्थाह भोजन की गुणवत्ता से सबसे पहले अवगत होते हैं। इसलिए स्कूलों में सुधार की पहली जिम्मेदारी उन्हीं की है।

श्री सिन्हा ने कहा कि संकुल समन्वयक



केवल निरीक्षण तक सीमित न रहें, बल्कि अवलोकन के दौरान बच्चों से सीधे बातचीत करें, उनके सीखने के स्तर को परखें और शिक्षकों को सुधार के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शन दें।

समन्वयक शिक्षकों, प्राचार्यों, पालकों और समुदाय के बीच संवाद की कड़ी बनकर स्कूलों में उपस्थिति, अनुशासन और सकारात्मक वातावरण सुनिश्चित करें। डीईओ ने स्पष्ट कहा कि जिले में शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर संकुल समन्वयकों की मेहनत और जवाबदेही से ही तय होगा। जिस तरह रीढ़ मजबूत होने पर पूरा शरीर सुदृढ़ रहता है, उसी तरह संकुल स्तर पर व्यवस्था मजबूत होगी तो पूरी शिक्षा

व्यवस्था सशक्त बनेगी।

**डीईओ ने बैठक में दिए गए प्रमुख निर्देश-** बैठक में डीईओ श्री सिन्हा ने सभी संकुल समन्वयकों को निर्देश दिए कि वीएसके में सभी शिक्षकों की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और शब्द बीज कार्यक्रम को सभी स्कूलों में प्रभावी ढंग से लागू किया जाए, ताकि बच्चों का भाषा एवं शब्द ज्ञान मजबूत हो। अवलोकन के दौरान बच्चों से सीधे बातचीत कर उनके सीखने के स्तर में सुधार के लिए शिक्षकों को मार्गदर्शन दिया जाए। प्राथमिक विद्यालय के बच्चों को 20 से 25 तक के पहाड़े, जोड़, घटाव, गुणा, भाग, बारह खड़ी, पुस्तक पठन और शब्द बीज में दक्ष बनाया जाए।

विशेष रूप से यह ध्यान दें कि कक्षा कक्ष में कोई भी शिक्षक मोबाइल लेकर प्रवेश न करें।

छात्र उपस्थिति के लिए योजना बनाकर उसे लागू करने, अपार आईडी निर्माण में तेजी लाने तथा पात्र विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने के प्रयास बढ़ाने को कहा गया। साथ ही यूडाइस में बच्चों का वैलिटेशन कार्य अवकाश के दौरान ही पूर्ण कर लेने के निर्देश दिए गए।

बच्चों को स्वच्छ एवं स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराया जाए। स्कूलों में किचन गार्डन विकसित किया जाए और मुनगा (सहजन) का पौधा लगाया जाए, जिससे बच्चों को पीष्टिक आहार मिल सके। माह में एक बार न्योता भोज का आयोजन हो, जिससे समुदाय की सहभागिता बढ़े। भोजन पकाने में गैस सिलेंडर का उपयोग सुनिश्चित किया जाए तथा जहाँ किचन शेड की आवश्यकता है, वहाँ का प्रस्ताव भेजा जाए।

स्कूलों में चल रहे और अपूर्ण निर्माण कार्यों का पता लगाकर उनकी स्थिति से अवगत कराने, प्रत्येक संकुल में एक विद्यालय को आदर्श विद्यालय बनाने तथा व्यवस्था के तहत विज्ञान सहायक एवं प्राचार्य के माध्यम से शिक्षकों का समायोजन करने के निर्देश भी दिए गए।

**शासकीय विद्यालयों के साथ-साथ निजी विद्यालयों का भी करें निरीक्षण-** डीईओ श्री सिन्हा ने संकुल समन्वयकों को निर्देश दिए कि वे निजी विद्यालयों का भी नियमित निरीक्षण करें। संकुल क्षेत्र में संचालित प्रत्येक विद्यालय की जानकारी रखना समन्वयकों की जिम्मेदारी है, चाहे वह शासकीय हो या निजी। निजी विद्यालयों का निरीक्षण इसलिए आवश्यक है कि यह सुनिश्चित हो सके कि वे शासन द्वारा दी गई मान्यता की शर्तों और मानकों का पालन कर रहे हैं। साथ ही यह भी देखा जाए कि जो विद्यालय सीजी बोर्ड द्वारा संचालित हैं वहाँ सीजी बोर्ड की निर्धारित पुस्तकें ही संचालित हो रही हैं, ताकि बच्चों और अभिभावकों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ न पड़े। निरीक्षण से बच्चों की सुरक्षा, बुनियादी सुविधाओं और शिक्षा की गुणवत्ता की वास्तविक स्थिति की जानकारी से मुझे अवगत कराएं।

बैठक में सहायक संचालक अजय सिंह विकासखंड शिक्षा अधिकारी के रूप में सूरजपुर से हरेंद्र सिंह, प्रतापपुर से मुनू लाल धुवें, भैयाथान से फूलसाय मरावी, ओडगी से मोतीलाल राजवाड़े, प्रेमनगर से प्रताप सिंह पैकारा तथा रामानुज नगर से अवधेश साहू उपस्थित रहे।

## राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर पम्पापुर में एक दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन



**सूरजपुर ब्यूरो ( दैनिक विश्व परिवार )-** राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस अवसर पर जिला आयुर्वेद अधिकारी डॉ अबुल फैज के निर्देश पर आज प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पम्पापुर में एक दिवसीय वृहत स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्राचीन भारतीय चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के प्रति अलख जगाना और लोगों को एक छत के नीचे निःशुल्क स्वास्थ्य लाभ पहुंचाना था।

शिविर का शुभारंभ पम्पापुर सरपंच जलजीत सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष ओबीसी प्रकोष्ठ संतोष यादव द्वारा भगवान धन्वंतरी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया। निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में आयुर्वेद डॉक्टरों की विशेष टीम द्वारा मरीजों का ब्लड प्रेशर, शुगर, मौसमी बीमारियों और वात-पित्त-कफ दोष के आधार पर सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कर मरीजों को गंभीर व पुरानी बीमारियों ( जैसे जोड़ों का दर्द, गैस-अम्लता, और त्वचा रोग) के लिए विशिष्ट आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी और खान-पान में बदलाव के सुझाव दिया, शिविर में पंजीकृत मरीजों को निःशुल्क आयुर्वेदिक औषधियां और काढ़ा वितरित किया गया। डॉक्टर प्रीति जायसवाल और डॉ रितु नेताम ने ग्रामीणों को कहा कि हमारे घर की रसोई और आस-पास मौजूद पेड़-पौधे औषधियों का भंडार हैं। दैनिक जीवन में गिलोय, तुलसी, एलोवेरा, अश्वगंधा और

आंवला जैसी जड़ी-बूटियों के उपयोग से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। लोगों को दिनचर्या सुधारने और नियमित योग सत्र अपनाने के लिए भी प्रेरित किया गया। शिविर में डॉ प्रज्वल सिंह, डॉ साक्षी गुप्ता, संस्था प्रभारी राधे श्याम राजवाड़े, एलएचव्डी सत्यभामा शर्मा, लैब टेक्निशियन श्रीति ओझा, श्वेता सिंह, स्टफ नर्स सृष्टि लकड़ा, प्रमिला सिंह, कुंती सिंह, एमपीडब्ल्यू राजकुमार, पीएडीए गुलाब सिंह, आयुष्मान मित्र तुलेश्वर, पुस्तकृवर समेत अधिकारी कर्मचारी और ग्रामीण जन मौजूद रहे।

**सेवा सकल्प अभियान के तहत स्वास्थ्य शिविर:** सूरजपुर कलेक्टर रेना जमील के निर्देश और सीएमएचओ डॉ प्रशांत सिंह प्रतापपुर बीएमओ अजीत दीवान बीपीएम सतीश श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आज प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पम्पापुर और धरमपुर में स्थानीय जनप्रतिनिधि की उपस्थिति में वृहद स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया, शिविर में आए मरीजों का जांच और उपचार उपरांत निःशुल्क दवा और चिकित्सकीय परामर्श दिया गया, इस दौरान लोगो को शासन द्वारा चलाए जा रहे आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र, टीबी और कुछ उन्मूलन कार्यक्रम समेत अन्य स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी लोगो को देकर, योजनाओं का लाभ उठाने का अपील किया गया। कार्यक्रम में सेक्टर मेडिकल ऑफिसर नीरज दास सेक्टर सुपरवाइजर सन्जु सिंह, संगीता गुप्ता समेत स्वास्थ्य कर्मचारी और ग्रामीण मौजूद रहे।

## वेदांता पावर ने बाल विवाह के विरुद्ध बढ़ाई जागरूकता

**300 लड़कियों को शिक्षा, कौशल विकास और सामुदायिक पहलों के माध्यम से बनाया सशक्त**

**सक्ती:** बाल विवाह के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और बालिकाओं की शिक्षा एवं अधिकारों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वेदांता पावर सक्ती थर्मल पावर प्लांट ने अपने सामुदायिक विकास कार्यक्रम 'प्रोजेक्ट विद्या' के तहत एक नुकड़ नाटक का आयोजन किया। 'बाल विवाह का अंत करें और बालिकाओं के अधिकारों में निवेश करें' विषय पर आधारित इस नाटक का मंचन सक्ती जिले के ओडेकरा शासकीय माध्यमिक विद्यालय में छात्रों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में छात्रों, शिक्षकों, समुदाय के सदस्यों और स्थानीय हितधारकों ने भाग लिया तथा बाल विवाह की रोकथाम, बालिका शिक्षा और समान अवसरों के महत्व पर चर्चा की।

नुकड़ नाटक के माध्यम से छात्रों ने प्रभावशाली कहानी-कथन और संवादों के जरिए बाल विवाह से जुड़ी सामाजिक भ्रतियों को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने बताया कि कम उम्र में विवाह किस तरह लड़कियों की शिक्षा, व्यक्तिगत विकास और भविष्य की



संभावनाओं को प्रभावित कर सकता है। नाटक में विभिन्न क्षेत्रों में सफलता हासिल करने वाली महिलाओं की उपलब्धियों को भी रेखांकित किया गया और समुदाय से आह्वान किया गया कि वे लड़कियों को अपनी शिक्षा पूरी करने, कौशल विकसित करने और अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रोत्साहित करें। इस पहल ने यह संदेश दिया कि जब लड़कियों को शिक्षा, कौशल विकास और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलते हैं, तो वे न केवल अपना भविष्य संवारती हैं, बल्कि एक अधिक समावेशी, सशक्त और प्रगतिशील समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। बालिकाओं के समग्र विकास के प्रति अपनी

प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए, वेदांता पावर ने 'प्रोजेक्ट विद्या' और 'प्रोजेक्ट सखी' के माध्यम से अब तक लगभग 300 लड़कियों को सहयोग दिया है। इन पहलों का उद्देश्य बालिकाओं को आवश्यक ज्ञान, आत्मविश्वास और अवसर उपलब्ध कराना है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने भविष्य के बारे में स्वतंत्र रूप से निर्णय ले सकें। इस अवसर पर राजेंद्र सिंह आहूजा, सीईओ एवं पूर्णकालिक निदेशक, वेदांता पावर लिमिटेड ने कहा, 'वेदांता पावर में हमारा मानना ​​है कि हमारी जिम्मेदारी विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है।

## हिंदुस्तान जिंक ने दूसरी तिमाही में 6,412 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ दर्ज किया

**उदयपुर :** विश्व की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 चांदी उत्पादकों में शामिल हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने वित्त वर्ष 27 की दूसरी तिमाही में रिकॉर्ड प्रदर्शन किया। कंपनी ने 15,093 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक तिमाही परिचालन राजस्व दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 77 प्रतिशत अधिक है; 9,285 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक तिमाही EBITDA, जो सालाना आधार पर 108 प्रतिशत अधिक है; और 11,881 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड तिमाही शुद्ध लाभ, जो सालाना आधार पर 142 प्रतिशत अधिक है। इस प्रदर्शन का आधार रहा 271 किलो टन का अब तक का सर्वाधिक दूसरी तिमाही खनिज धातु उत्पादन, 264 किलो टन का रिकॉर्ड दूसरी तिमाही परिष्कृत धातु उत्पादन, और रॉयल्टी को छोड़कर 703 अमेरिकी डॉलर प्रति टन की कम तिमाही जिंक उत्पादन लागत। दूसरी तिमाही में चांदी का उत्पादन 173 टन रहा, जो सालाना आधार पर 20 प्रतिशत अधिक है, और इसने लाभप्रदता में महत्वपूर्ण योगदान दिया। 30 सितंबर 2026 को समाप्त छमाही में हिंदुस्तान जिंक ने 17,359 करोड़ रुपये का अब तक का सर्वाधिक थ्रद्धुद्ध दर्ज किया, जो सालाना आधार पर 108 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने 11,881 करोड़ रुपये का रिकॉर्ड शुद्ध लाभ भी दर्ज किया और 60 प्रतिशत का उद्योग-अग्रणी थ्रद्धुद्ध मार्जिन हासिल किया। तिमाही में ग्रोथ कैपेक्स (विकास पूंजीगत व्यय) से पूर्व प्र्री कैश फ्लो 6,389 करोड़ रुपये रहा, जिससे वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी, कम लागत वाले जिंक उत्पादक के रूप में कंपनी की स्थिति और मजबूत हुई। तिमाही के दौरान कंपनी ने कर्नाटक में गुंड्लुपेट रेयर अर्थ एलिमेंट एवं थिंट्रियम ब्लॉक के लिए लेटर ऑफ़ इंटे (आशय पत्र) प्राप्त किया, जिससे क्टिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) में उसके विविधीकरण को गति मिली। कुल बिजली खपत में नवीकरणीय ऊर्जा की हिस्सेदारी बढ़कर 27 प्रतिशत हो गई, और कंपनी का जिंक एलॉय संयंत्र अब अपनी 100 प्रतिशत बिजली नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त कर रहा है।

# क्षत्रिय समाज शिक्षा को बनाए अपना हथियार शस्त्र पूजन पर बोले- डॉ संजय सिंह

**युवा इकाई के चंदन सिंह अध्यक्ष.अवनीश सिंह सचिव बनाए गए**

**गोपाल सिंह विद्रोही**

**सूरजपुर ब्यूरो ( दैनिक विश्व परिवार )-**क्षत्रिय समाज शिक्षा को अपना हथियार बनाएं बच्चों को खूब पढ़ाये आगे बढ़ाएं बच्चे अपने आप अपने धैरो पर खड़े हो जाएंगे।

उक्त उद्गार क्षत्रिय समाज बिश्रामपुर इकाई द्वारा आयोजित होने वाले शस्त्र पूजा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं एस ई सी एल विश्रामपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने क्षत्रिय समाज के सदस्यों को संबोधित करते हुए कहा। डॉ संजय सिंह ने सर्वप्रथम अदि शक्ति माँ दुर्गा जी एवं भगवान श्री राम की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।यह ब्राह्मणों द्वारा वैदिक मंत्र उच्चारण के बीच धार्मिक शस्त्र पूजन की शुरुआत हुई। क्षेत्रीय



महाप्रबंधक डॉ संजय सिंह ने कहा कि शिक्षा के बल पर समाज के लोग आगे बढ़े, शिक्षा को ही अपना हथियार बनाएं। जितना आप पढ़ेंगे उतना ही आप बढ़ेंगे। समाज के कमजोर वर्ग को हर संभव मदद करें ,उनके दुख सुख की सहभागी बने। समाज मजबूत होगा तो देश मजबूत होगा। जब आप मजबूत हो जाए तो राष्ट्र को मजबूत बनाने हेतु सार्थक कदम उठाएं। सभी वर्गों का आदर सम्मान करे सभी को

मजबूत करें यही आपकी पहचान है आपका इतिहास है कमजोर को उठाना क्षत्रियो का दायित्व है । हां इस बात का ध्यान दे हम किसी समाज का तभी सहयोग कर सकते हैं जब हम पढ़ लिखकर मजबूत होंगे।। डॉ संजय सिंह ने नवरात्रि एवं विजयदशमी की क्षत्रिय समाज के साथ-साथ पूरे कोयलांचल के लोगों को शुभकामनाएं दी और मां भगवती से सभी को आरोग्य वान रखना की प्रार्थना की कथा भगवान



श्री राम से राष्ट्र का वैभव उच्चा रखने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर सूरजपुर जिला के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ प्रशांत सिंह ने अपने उद्घोषण में कहा कि ऐसे तो सभी से हम छोटे हैं हमें जान देने का अधिकार नहीं है।।मंगल कामनाओं के साथ आप सब दुर्गा पूजा मनाएं तथा हम सभी पर अपना आशीर्वाद बनाए रखें।

केंद्रीय चिकित्सालय विश्रामपुर के पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी

विजयदशमी की बधाई देते हुए शक्तिपूर्ण तरीके से त्योहार मनाने की अपील की।

शस्त्र पूजन कार्यक्रम में क्षत्रिय समाज के अध्यक्ष इंजीनियर विनय सिंह ने आभार प्रदर्शन किया संचालन समाज की सचिव उज्ज्वल सिंह ने की।

कार्यक्रम से पूर्व मुख्य अतिथियों को अंग वस्त्र से समाज के लोगों ने स्वागत किया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक अतुल सिंह, प्रबंधक बीपी सिंह, श्रमिक नेता सुजीत सिंह, शिक्षक सुनील सिंह सहित रमाशंकर सिंह, रंजय सिंह, गोपाल सिंह विद्रोही,प्रणय सिंह राणा, नीरज सिंह,विकास सिंह , चंदन सिंह रोशन सिंह, डॉ विकास सिंह, शुशील सिंह चुना, चंदन सिंह, एवं अवनीश सिंह अजीत सिंह, राघवेंद्र सिंह,अरविंद सिंह,प्रेम चन्द सिंह,हरि सिंह, गौतम सिंह चौहान,नरेंद्र सिंह चौहान, पृथ्वीराज सिंह,नीरज सिंह सहित काफी संख्या में समाज के लोगों उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

वायना इलेक्ट्रिक ने स्मॉल होम अप्लायसेज सेगमेंट में रखा कदम, कंज्यूमर पोर्टफोलियो का किया विस्तार

सुप्स लॉयड ग्रुप के कंज्यूमर ब्रांड वायना इलेक्ट्रिक ने स्मॉल होम अप्लायसेज कैटेगरी में प्रवेश की घोषणा की है, जो ब्रांड की विकास यात्रा में एक अहम कदम है। इस विस्तार के साथ वायना इलेक्ट्रिक की मौजूदगी एलईडी लाइटिंग, स्विचगियर और मॉड्यूलर स्विच से आगे बढ़ गई है और भारतीय उपभोक्ताओं के लिए इसकी पेशकश का दायरा और व्यापक हुआ है। इस पहल पर डिम्पणी करते हुए सुमित कुमार, बिजनेस यूनिट हेड एवं वाइस प्रेसिडेंट, वायना इलेक्ट्रिक ने कहा: आज उपभोक्ता अपने घर जाए जाने वाले उत्पादों से कहीं ज्यादा उम्मीद रखते हैं। परफॉर्मेंस के साथ-साथ वे सुविधा, विश्वसनीयता और लंबे समय तक मिलने वाली वैल्यू को भी पहले से ज्यादा अहमियत दे रहे हैं। होम अप्लायसेज कैटेगरी में हमारा प्रवेश वायना इलेक्ट्रिक की कंज्यूमर पेशकश के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है। आयरन, ब्लेंडर और इलेक्ट्रिक केतली से शुरुआत करते हुए हमारा लक्ष्य भरोसेमंद उत्पादों का एक व्यापक पोर्टफोलियो तैयार करना है, जो गुणवत्ता और विश्वसनीयता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को बरकरार रखते हुए रोजमर्रा की जिंदगी को आसान बनाएँ। ब्रांड की शुरुआती रेंज में आयरन, ब्लेंडर और इलेक्ट्रिक केतली शामिल हैं, जिनके साथ वायना इलेक्ट्रिक रोजमर्रा के घरेलू उपकरणों की कैटेगरी में कदम रख रहा है।

फैबियंस हैदराबाद में लागूएगी रु 50 करोड़ की लागत से अत्याधुनिक फर्नीचर विनिर्माण इकाई

न्यू दिल्ली। प्रीमियम फर्नीचर निर्माण क्षेत्र की हैदराबाद स्थित कंपनी फैबियंस ने तेलंगाना में अपनी प्रोडक्शन कैपेसिटी बढ़ाने के लिए करीब 50 करोड़ रुपये के निवेश से एक नई अत्याधुनिक ग्रीनफ़िल्ड प्लांट स्थापित करने की घोषणा की है। हैदराबाद के निकट प्रस्तावित यह प्लांट 1.5 लाख वर्ग फुट से अधिक क्षेत्र में विकसित किया जाएगा और इसके अगले साल तक तैयार होने की उम्मीद है। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर राज वेणु गोपाल टक्कालाह्ल्ली ने बताया कि इस प्रोजेक्ट से करीब 100 लोगों के लिए प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर पैदा होंगे। नई इकाई के माध्यम से कंपनी घरेलू बाजार में अपनी उपस्थिति मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी करोबार का विस्तार करेगी। प्रस्तावित प्लांट में इटली और जर्मनी की आधुनिक मशीनों के साथ उन्नत विनिर्माण तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। इसमें ऑटोमेशन, सटीकता, गुणवत्ता और उत्पादन क्षमता बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। नई इकाई में मुख्य रूप से सोफा, कुर्सियां, लार्डजर और अन्य स्वतंत्र फर्नीचर प्रोडक्टर का निर्माण बढ़ाया जाएगा। इसके साथ ही कंपनी मॉड्यूलर फर्नीचर के अपने मौजूद कारोबार का भी विस्तार जारी रखेगी। वर्ष 2018 में स्थापित फैबियंस वर्तमान में हैदराबाद में दो लाख वर्ग फुट में फैली विनिर्माण इकाई संचालित कर रही है। कंपनी इस इकाई में अब तक लगभग 80 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी है और यहां करीब 200 कर्मचारी कार्यरत हैं। इस प्लांट में मॉड्यूलर किचन, वाइडोब, वाल पैनिंग और प्रीमियम फर्नीचर का निर्माण किया जाता है। कंपनी के डायरेक्टर सदीप पोलसानी ने कहा, हमारी प्राथमिकता आधुनिक विनिर्माण तकनीक, ऑटोमेशन और उत्पादन में उच्च स्तर की सटीकता सुनिश्चित करना है। हमारी इकाई में विभिन्न अत्याधुनिक मशीनों और प्रक्रियाओं को एक ही स्थान पर एकीकृत किया गया है।

जेके मैक्स पेंट्स ने जेके नेचुरल्स ऑर्रा के साथ सस्टेनेबल पेंट्स में रखा कदम, पेश किया भारत का पहला नेचर लवर्स पेंट

जेके मैक्स पेंट्स, जिसे जेके सीमेंट लिमिटेड की समृद्ध विरासत और विशेषज्ञता का साथ प्राप्त है, ने सस्टेनेबल पेंट्स का नया ब्रांड जेके नेचुरल्स लॉन्च किया है। इस ब्रांड का पहला प्रोडक्ट जेके नेचुरल्स ऑर्रा है। भारत के पहले नेचर लवर्स पेंट के रूप में पेश किया गया यह ब्रांड घर की सुंदरता और रोजमर्रा की जिंदगी में जागरूकता को एक साथ लाता है। आधुनिक घरों के लिए डिजाइन किए गए जेके नेचुरल्स ऑर्रा लक्जरी इंटीरियर इम्प्लान में 40 प्रतिशत+ इको-फ्रेंडली सामग्री (जिसमें 10 प्रतिशत+ बायो-बेस्ड इम्प्रेशन शामिल है) और एयर-प्यूरिफिकेशन तकनीक के साथ मिलकर तैयार किया गया है। शार्क सॉल्यूशंस डेनमार्क की बलीनोटेक कंपनी है और रीसाइक्लिंग में ग्लोबल लीडर है। ऑर्रा के फॉर्मूले में बेकार हो चुके लैमिनेटेड कांच से निकाला गया रीसाइकल पीवीबी (पॉलीविनाइल ब्यूटेरल) शामिल किया गया है। यह सामग्री इस्तेमाल के बाद के वेस्ट को पेंट बनाने के कच्चे माल में बदलती है और संकूलन इकोनोमी को बढ़ावा देती है। मार्केट में इस प्रोडक्ट का चरणबद्ध लॉन्च अक्टूबर के अंत से नवंबर के मध्य में उत्तर भारत में होगा, जिसके बाद इसे पूरे देश में लॉन्च करने की योजना है। जेके नेचुरल्स ऑर्रा में एडवांस एयर-प्यूरिफिकेशन तकनीक है, जो घर के अंदर मौजूद फॉर्मिडिडहाइड को कम करने और कमरे की हवा को बेहतर बनाने में मदद करती है। इसका फॉर्मूला रीसाइकल और बायो-बेस्ड सामग्रियों को गहरी चमक और बेहतरीन स्मूथनेस के साथ ग्राहकों को 2,000 से अधिक शेड्स में एक लक्जरी इंटीरियर पेंट का विकल्प देता है।

●●●●

●●●●

●●●●

●●●●

# विश्व परिवार

## न गांधी का सुप्रीम कोर्ट से साक्षात्कार



# संपादकीय

# आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर

मूडीज का जनसंख्या विमर्श इस लिहाज से उपयोगी है कि इससे फिर ध्यान इस ओर गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने विकसित देशों की कसौटीयों भारत पर लागू करने की कोशिश की है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी मूडीज ने भारत की जनसंख्या संचना में आ रहे बदलाव का उपयोगी, लेकिन एकांगी विश्लेषण प्रस्तुत किया है। यह उपयोगी इस लिहाज से है कि इससे फिर देश का ध्यान इस स्तहान की तरफ गया है, लेकिन यह एकांगी है क्योंकि मूडीज ने सुझाव देते वक विकसित देशों की कसौटी भारत पर लागू करने की कोशिश की है। उसमें ध्यान दिलाया है कि भारत की प्रजनन दर अब अपेक्षित प्रतिस्थापन स्तर (2.1) से नीचे गिर चुकी है। इस कारण अब वाले दशकों में भारत की आबादी तेजी से बुढ़ापे की ओर बढ़ेगी। फिलहाल आबादी अपेक्षाकृत युवा है, लेकिन देश के जनसांख्यिकीय ढांचे में बदलाव शुरू हो चुका है। इस तरह भारत अब उसी रास्ते पर है, जिस पर यूरोप और पूर्वी एशिया के देश पहले पहुंच चुके हैं। बहरहाल, इसके बाद मूडीज ने जो कहा है, वे चिन्ता-पिटा बातें हैं। मसलन, उसके मुताबिक आबादी के उपद्रवार होने से कामकाजी लोगों की संख्या में वृद्धि दर धीमी होगी, जिससे कुल आर्थिक विकास प्रभावित हो सकता है। कम कामकाजी लोगों पर अधिक संख्या में रिटायर्ड हो चुके बुजुर्गों की संपालना के बोझ बढ़ेंगे, जिससे कामगार खजाने, पेंशन प्रणाली, और स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बहुत ज्यादा बढ़ जाएगा। उपर उपभोक्ता बाजार में मांग घटने की समस्या आएगी। लोगों के बूढ़े होने से देश में बचत, निवेश, और वित्तीय बाजारों के ढांचे में बड़ा बदलाव आएगा। अगर ये बातें उन देशों में अधिक प्रासंगिक मालूम पड़ेगी, जो अपनी मरग शक्ति का पूरा उपयोग कर पा रहे हों। साथ ही जहां सामाजिक सुरक्षा का दुरुस्त इंतजाम हो। भारत कथित डेमोग्राफिक डिविडेंड (युवा आबादी के लाभ) के दौर में भी अपने कुशल एवं शिक्षित युवा हाथों को काम मुहैया कराने में नाकाम रहा है। इस कारण आबादी की तुलना में यहां का उपभोक्ता बाजार सीमित बना हुआ है, जो हाल के वर्षों में और अधिक असंतुलित हो गया है। देश में सामाजिक सुरक्षा व्यक्तियों की अपनी पूर्व योजना या फिर कैश ट्रांसफर के जरिए वोट खरीद योजनाओं पर निर्भर है। इन हकीकतों के बीच आबादी के पश्चिमी विमर्श की यहां न्यूनतम प्रासंगिकता है। है।

## आलेख

## खादी और ग्रामोद्योग: समावेशी और टिकाऊ भारत का ताना-बाना बुनना

## सुश्री रूप राशि और डॉ. नितेश धवन

हम भारत के गौरवान्वित नागरिक हैं—जो आज नामोल्लिख्य जीडीपी की दृष्टि से विश्व की छठी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। आर्थिक विकास का एक बड़ा हिस्सा एमएसएमई क्षेत्र से संचालित होता है, जिसका देश की समग्र जीडीपी में एम-तिहाई योगदान है। इसमें भी ग्रामीण सूक्ष्म उद्यमों का प्रमुख योगदान है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से खादी और हथकरघा क्षेत्र जैसे कुटीर उद्योगों के साथ-साथ ग्रामीण कारीगरों द्वारा अनिर्मित हस्तक्षेप उत्पादों पर निर्भर करती है। ऐसे समय में, जब दुनिया अस्मत्ता, जलवायु परिवर्तन और संसाधनों के क्षरण जैसी चुनौतियों से जूझ रही है, वहीं आईटी और साफ्टवेयर के क्षेत्र में आईसी नौकरियों को लगातार निम्निते हुए तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में, खादी और ग्रामोद्योग (केवीआई) सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भरता परत के विज्ञान को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। ये कम संसाधनों का उपयोग करने के विभिन्न कौशल स्तरों पर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाकर स्थानीय स्तर पर पलायन को कम करने में भी सक्षम हैं। खादी—हाथ से काता और हाथ से बुना हुआ—भारत की आत्मा रही है। जिम्मेदार उत्पादन में ऊर्जा और जल का दक्षतापूर्वक उपयोग करते हुए, प्राकृतिक रेशों का इस्तेमाल किया जाता है। विकास के वाहक के रूप में इसकी क्षमता को, धीमी गति से ही सही, लेकिन निरन्तर मान्यता मिल रही है। हमारा उद्योग एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है, जो प्राचीन काल से चली आ रही है और मानव भावनाओं के व्यक्तित्व स्पर्श तथा अनुकरणपूर्ण कौशल के साथ विभिन्न कलात्मक अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करती है। ऋग्वेद, रामायण, महाभारत, थालिया (यूनानी इतिहासकार हेरोडोटस द्वारा रचित) और कोटिल्यु से संबंधित विभिन्न लिखित ग्रंथों में न केवल कताई और बुनाई का उल्लेख मिलता है, बल्कि रेशम और कापास की उच्च गुणवत्ता का भी उल्लेख किया गया है। रामायण में कापास का उल्लेख सप्त गुणों से जोड़कर किया गया है, वहीं विभिन्न प्रकार की बुनाइयाँ समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने को दर्शाती हैं। हाथ से काते और हाथ से बुने "जनसमूह द्वारा उत्पादित" खादी का उपयोग महान्या गांधी जी ने उपनिवेशवादियों द्वारा बड़े पैमाने पर किए जाने वाले उत्पादन का मुकाबला करने के लिए किया था। स्वतंत्रता का यह वस्त्र आज अपने प्राकृतिक, आरामदायक और सतत् होने के विशिष्ट गुणों के कारण परंपरागत फैशन स्टेटमेंट बनता जा रहा है। इसका हस्तनिर्मित स्वरूप इसे विशिष्ट पहचान प्रदान करता है और इसलिए इसे बड़े पैमाने पर होने वाले सामाजिकृत उत्पादन के साथ मात्रा के स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता नहीं है। खादी की यात्रा—स्वदेशी और स्वतंत्रता का एक प्रतीक होने से लेकर समकालीन फैशन और जीवनशैली की पसंद, विशेषकर पर्यावरण के प्रति जागरूक नई पीढ़ी का - बनने तक यह दर्शाती है कि कैसे परंपरा रव्यं को बदलती उपभोक्ता प्राथमिकताओं के अनुसरण बल सकती है। वास्तव में, निकट-स्रोत उत्पादन की परंपरा, जो अधिक सतत् है, खादी परिस्थितिकी तंत्र की अंतर्निहित शक्ति है। 21वीं सदी में, केवीआईसी हमारे अधिदेश में मानवीय प्रधानमंत्र की आह्वान—राष्ट्र के लिए खादी, फैशन के लिए खादी और परिवर्तन के लिए खादी—से प्रेरणा लेते हुए कृषि, फाइबर और बाजार के बीच जुड़ाव को सुदृढ़ करने में योगदान दे रहा है। यह ध्यान देने योग्य बात है कि हाथ से कताई, खादी और हथकरघा के बीच प्रमुख अंतरकारी विशेषता है। चूंकि सूत भी हाथ से तैयार किया जाता है, इसलिए उत्पादन की श्रम-प्रधान प्रक्रिया बड़ी संख्या में लोगों के लिए रोजगार के अवसर सृजित करता है। विवर्तित व्यवस्था के तहत तैयार किए गए हस्तनिर्मित लच्छों के एकत्रीकरण का कार्य करने वाली खादी संस्थाओं को पिछले सात दशकों से खादी और ग्रामोद्योग द्वारा सहभावा प्रदान की जाती रही है। केवीआईसी के विभागीय और गैर-विभागीय प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से कौशल विकास और कौशल उन्नयन के जुएर क्षमता वृद्धि का जा रही है। देश की दो-तिहाई ग्रामीण आबादी को देखते हुए, इस क्षेत्र का विशेष महत्व है, क्योंकि यह ग्रामीण उद्यमियों के लिए पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराता है। इस प्रकार के हस्तक्षेप जमीनी स्तर पर लोगों के लिए आस सृजन के अवसर पैदा करके सीधे एसडीजी 1 (गरीबी उन्मूलन) और एसडीजी 8 (समानाजनक कार्य और आर्थिक विकास) को आगे बढ़ाते हैं।

# विचार-पक्ष

रायपुर, गुरुवार 22 अक्टूबर 2026

## कुलदीप चंद अग्निहोत्री

राहुल गांधी अन्ततः उच्चतम न्यायालय पहुंचे। लेकिन साधारण व्यक्ति को तरह नहीं। पूरा जुलूस निकला। ट्रक में बैठकर। ट्रक में से किसी को धक्के देकर उतारा जा रहा है। पैदल चलो। किसी को हाथ पकड़ कर ऊपर खींचा जा रहा है। किसी को कोहनी मारी जा रही है, किसी से कोहनी मरवाई जा रही है। साथ साथ कुछ वकील भी चल रहे हैं। नारे लगा रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। लो! एक के मुंह पर राहुल गांधी ने चमगादड़ का चेहरा लगा दिया है। किसी ने फूँक, राहुल गांधी कहाँ जा रहे हैं? पता चला उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने जा रहे हैं। चिल्ला रहे हैं। लोग हैरान हैं, ट्रक के ऊपर और उसके आजू बाजू जो लोग चिल्ला कर जा रहे हैं, ये आखिर क्यों हैं? उत्तर राहुल गांधी ही देते हैं, हमारी तो यह शिवजी की बारात है। कोई भी कुत्ता-बिल्ली इसमें शामिल हो सकता है। ऊपर वाले भी और नीचे वाले भी हैरान हो रहे हैं। राजकुमार ने ऐसा किसके बारे में कहा? लेकिन पूछ कोई नहीं रहा। यदि पूछ लिया तो न जाने राजकुमार किस का नाम ले लेंगे? किसी विद्वान ने कहा है कि व्यक्ति को केवल किताब से नहीं बल्कि अपने अनुभव से भी सीखना चाहिए। शायद देश में विश्व के नेता कहे जाने वाले राहुल गांधी को उनके किसी शुभचिंतक ने यह बता दिया है। अब वे अनुभव से सीखने की प्रक्रिया में जुट गए हैं। पैसे भी पुरातन इतिहास के राजकुमारों में ऐसी परंपरा रही है कि वे राजकुमारों, जिन्हें राजकुवर भी कहा जाता था, को गद्दी देने से पहले उन्हें प्रजा में घूम कर अनुभव अर्जित करने के लिए कहते थे। लेकिन वे राजवंश अपने राजकुमारों को सीखने के इस काम में छोटी उम्र में लगाते थे। युवा होते होते वे बहुत कुछ सीख लेते थे। लेकिन नेहरू राजवंश, जिस पर आजकल इस परिवार का आधिपत्य है, ने राहुल गांधी को अनुभव से सीखने के काम में उतारने में बहुत देर कर दी लगती है। राहुल गांधी की अपनी उम्र भी साठ के आसपास पहुंच गई है। यह साठ साल की उम्र भारत के लोकमान्य विज्ञान में बड़ी खतरनाक मानी जाती है। लोक मनोविज्ञान भी किताब पर नहीं बल्कि सहस्राब्दियों के अनुभव पर ही आधारित माना जाता है। इसलिए कम से कम गांव वाले तो इसे प्रामाणिक ही मानते हैं। यदि



आदमी बचपन से ही सीखाता रहे तो सात साल तक पढ़ते पढ़ते वह अनुभवी हो जाता है और समाज को उसका लाल मिलाता है, लेकिन यदि वह सीखने के संसार में पढ़ाई ही सात के आसपास करे तो वह प्रहरन की मुद्रा में दिखाई देने लगता है। इसीलिए लोक उक्ति 'सटिया गया' बनी होगी। अब राहुल गान्धी कुछ दिनों से अनुभव के आधार पर सीख रहे हैं। उनका आला पता उच्चतम न्यायालय के बारे में था। वे अपने साथ जो लाल किताब, जिसे वे सिंधान कहते हैं, लेकर घूमते रहते हैं, उसमें उच्चतम न्यायालय जाने की पूरी प्रक्रिया लिखी हुई है। राहुल गान्धी के साथ घूमते रहने वाले कपिल सिब्बल तो उच्चतम न्यायालय जाने की प्रक्रिया अच्छी तरह जानते हैं। मुझे नहीं पता उन्होंने राहुल गान्धी के इसके बारे में कुछ बताया या नहीं। हो सकता है राहुल गान्धी ने उनसे इसके विषय में कुछ पूछा भी या नहीं? लेकिन वे अपनी उस किताब में जिसे वे लेकर घूम करते हैं, उसमें पढ़ सकते थे कि उच्चतम न्यायालय से कोई बात करनी हो तो उसके लिए याचिका देनी पड़ती है। उसमें वे सभी मुद्दे लिखने पड़ते हैं जिनके बारे में बात करनी है। इतना ही नहीं अपने मुद्दों के बारे में प्रमाण भी देने पड़ते हैं। इतना ही नहीं थोड़ी प्रेस भी देनी पड़ती है। अब उच्चतम न्यायालय आपको तिथि बताता है और

आपको उस तिथि को वहां जाकर अपनी बात करनी पड़ती है। इतना ही नहीं जिनके खिलाफ आप मुद्दे उठा रहे हैं उनके भी वहां बुलाया जाता है। वे भी अपनी बात रखें। अपने प्रमाण देते हैं। तब दोनों की बात सुन कर न्यायालय अपना निर्णय देता है। लेकिन राहुल गांधी तो राजवंश के चिराग हैं। यह सार प्रक्रिया तो आम जनता के लिए है। राजवंशों को इन प्रक्रियाओं से कहीं ऊपर हैं। इसलिए राहुल गांधी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को लिखा, भाई मुझे आपसे कुछ मुद्दों पर चर्चा करनी है, इसलिए सूचित करें कि मैं किस तरीख को आ जाऊँ? अब इस चिट्ठी का जवाब भला मुख्य न्यायाधीश क्या देते, फिर भी उन्होंने शालीनता दिखाई और राहुल को उच्चतम न्यायालय में आने की प्रक्रिया समझा दी। उधर राहुल गांधी की सहयोगी केरल कांफ्रेंस और भी उजालती हो गई। उसने तुरन्त मांग की कि यदि मुख्य न्यायाधीश देश में शांति व्यवस्था नहीं बनाए रख सकते तो उन्हें तुरन्त इस्तीफा दे देना चाहिए। केरल कांफ्रेंस उनकी सलाह का किसी दूसरे व्यक्ति को मुख्य न्यायाधीश बना लेगी। खैर, राहुल गांधी अन्ततः उच्चतम न्यायालय पहुँचे। लेकिन साधारण व्यक्ति को तरह नहीं। पूरा जलूस लेकर। ट्रक में बैठकर। ट्रक में से किसी को धक्का देकर उतारा जा रहा है। पैदल चलो। किसी को

पूछ पकड़ कर ऊपर खींचा जा रहा है। किसी को कोहनी मारना जा रही है, किसी से कोहनी मरवाई जा रही है। साथ साथ कुछ वकील भी चल रहे हैं। नारे लगा रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। लो! एक के मुंह पर राहुल गान्धी ने चमगादड़ का चेहरा लगा दिया है। किसी ने पूछा, राहुल गान्धी कहाँ जा रहे हैं? पता चला उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर करने जा रहे हैं। चिल्ला रहे हैं। लोग हैरान हैं, टुक के ऊपर और उसके आजू बाजू जो लोग चिल्ला कर जा रहे हैं, ये आखिरी कौन हैं? उत्तर राहुल गान्धी ही देने हैं, हमारी तो यह शिवजी की बात है। कोई भी कुत्ता-नीचे इसमें शामिल हो सकता है। ऊपर वाले भी और नीचे वाले भी हैरान हो रहे हैं। राजकुमार ने ऐसा किसके बारे में कहा? लेकिन पूछ कोई नहीं रहा। यदि पूछ लिया तो न जाने राजकुमार किसका नाम ले दें। भारत के इतिहास में राजकुमार याचिका दातने लगे हैं। यह कोई छोटी बात है। राजकुमार खुद याचिका लगाने आए हैं। दरबारी पदगद हो रहे हैं। राजकुमार लोगों के किस प्रकार हंसा रहे हैं। उस दिन प्रधानमंत्री के घर के बाहर बीच सड़क पर लेट गए थे। इतिहास में किसी राजकुमार को इस प्रकार खुरदरी सड़क पर लेटे देखा है? यह होता है अपनी प्रजा से अनुराग। एक दिन मछली पकड़ने के लिए तालाब में कूद लिए थे। एक दिन खेत में भी घुसते देखे जा थे। एक दिन रेलवे स्टेशन पर कुलींगीर कर रहे थे। एक दिन दूध ड्राइवरों के साथ ठिठोली कर रहे थे। एक दिन जलेबी देख कर किन्ने खुश हुए थे। इतना ही नहीं जलेबी खाई थी। केवल खाई ही नहीं अपनी बहन की भी भिजवाई। यह होता है भाई वहन का आदर्श प्रेम। गोसाँई जी मानस में इसके बारे में जरूर लिखे होंगे। उच्चतम न्यायालय की ओर राजकुमार अपने काफिले को लेकर बढ़ रहे हैं। याचिका दायर कर दी गई है। याचिका दायर कर दी गई है। शोर पड़ गया है। इतना शोर भारत में नहीं पड़ रहा जितना अमरीका में पड़ रहा है। एलन मस्क भी खुश हो गये हैं। राजकुमार ने उनको भी संदेसा दिया था। भाव यह लाता था कि मस्क भाई इंतजार करो, मैं प्रधानमंत्री बनने वाला हूँ। तब तुम्हारा स्टारलैंक भी आ जाएगा। लेकिन यह चमगादड़ का मुँह लगाए और बैठा है? कोई होगा। शायद राजकुमार की नजर उत्तर रहा होगा। राहुल प्रधानमंत्री बनने तो सभी को हिस्सा जो मिलेगा।

# जनकल्याणकारी योजनाओं से ग्रामीण विकास को गति

विशाल कुमार जायसवाल

नौनी सुरक्षा योजना से बेटियों के भविष्य की तैयारी, डेयरी और मछली पालन से आय के नए साधन ग्रामीण सदस्यों से बेहतर हो रहा संपर्क

ग्रामीण विकास का वास्तविक अर्थ केवल सुविधाओं का विस्तार नहीं, बल्कि लोगों का आजीवनिक के बेहतर साधन उपलब्ध करना और उनके भविष्य को सुरक्षित बनाने के अग्रिम प्रदान करना भी है। जब बेटियों की शिक्षा के लिए आर्थिक सुरक्षा का आधार तैयार होता है, ग्रामीण परिवार पशुपालन और मछली पालन जैसी रोजगार परक गतिविधियों से आय बढ़ाते हैं तथा गांवों को बेहतर सदृश संपर्क जैसे अधोसंरचना मिलता है, तब विकास का लाभ व्यापक स्तर पर दिखाई देता है। सरगुजा जिले में विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और ग्रामीण विकास कार्यों से जुड़े उदाहरण इस दिशा में आगे बढ़ते कदमों को दर्शाते हैं। नौनी सुरक्षा योजना, राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना, ग्रामीण रोजगार के अंतर्गत आजीविका डबरी तथा प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना जैसी पहलें परिवारों को आर्थिक सुरक्षा, रोजगार और बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध कराने में सहायक हो सकती हैं। इन योजनाओं का महत्व इस बात में है कि वे स्थानीय जरूरतों और संसाधनों को विकास के अवसरों से जोड़ती हैं। बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और उच्चतम भविष्य के लिए समय रहते आर्थिक प्रगतिमान परिवारों को भरोसा प्रदान

करता है। छत्तिसगढ़ शासन की नौनी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर विकासखंड की ग्राम पंचायत कुष्माण्डपुर निवासी श्रीमती मानती राजवाड़े की बेटी अंचल राजवाड़े को एक लाख रुपये का बॉन्ड प्राप्त हुआ है। यह बॉन्ड भारतीय जीवन बीमा निगम ने माध्यम से उपलब्ध कराया गया है। मानती राजवाड़े के लिए बेटी की शिक्षा और भविष्य की जरूरतों की व्यवस्था करना महत्वपूर्ण है। योजना के अंतर्गत निर्धारित शर्तों के अनुसार बेटी के 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर मिलने वाली राशि का उपयोग आगे की पढ़ाई और अन्य आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है। इससे भविष्य में उच्च शिक्षा से जुड़े खर्च का व्यवस्था करने में परिवार को सहायता मिलने की उम्मीद है। यह पहल बेटीयों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण है। सरगुजा जिले की ग्रामीण अर्थव्यवस्था में कृषि के साथ पशुपालन की महत्वपूर्ण भूमिका है। डेयरी व्यवसाय किसानों और ग्रामीण परिवारों को नियमित आय का साधन उपलब्ध करा सकता है। राज्य डेयरी उद्यमिता विकास योजना के अंतर्गत सहायता प्राप्त कर लम्बायन निवासी मनोज कुमार पटेल ने अपने डेयरी व्यवसाय को आगे बढ़ाया है। मनोज कुमार पटेल प्रतिदिन लगभग 30 लीटर दूध का व्रिज्य कर करीब 1,200 रुपये की दैनिक आय अर्जित कर रहे हैं। उनके अनुसार, दूध की व्रिजी से होने वाली माहिर आय में से खर्च नहीं करने के बाद लगभग 15 हजार रुपये की बचत हो रही है। पशुपालन के माध्यम से उन्हें नियमित आय का अवसर मिला है,

जिससे परिवार की आर्थिक स्थिति को मजबूती मिल रही है। डेपरी व्यवसाय की उपयोगिता इस बात में भी है कि इससे ग्रामीण परिवारों को केवल मौसमी कृषि आय पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। बड़ उत्पादन और उसकी बिक्री से नियमित आर्थिक गतिविधि बनती रहती है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल संसाधनों का संरक्षण आजीविका और कृषि विकास से सीधे जुड़ा हुआ है। वर्षा जल का संग्रहण सिंचन की जरूरतों को पूरा करने के साथ मछली पालन जैसी गतिविधियों के लिए भी उपयोगी हो सकता है। ग्राम निवासी फूला राम पहाड़ी कोरवा की खाली इसी दिशा में एक उदाहरण प्रस्तुत करती है। खाली पड़ने जमीन पर आजीविका ढबरी का निर्माण किया गया, जिसमें वर्षा जल का संचय कर मछली पालन शुरू करने का अवसर मिला। इससे परिवार के लिए अतिरिक्त आय का साधन विकसित होने की संभावना बनी है। ग्रामीण रोजगार योजना के अंगरत निर्मित ऐसी परिसंपत्तियां स्थानीय संसाधनों का उपयोग कर आजीविका के अक्सर तैयार करने में सहायक हो सकती हैं। इसी तरह ग्राम के बाबूनाथ के खेत में ढबरी के गहरीकरण से जल संग्रहण और सिंचाई की सुविधा बेहतर हुई। पालन उपलब्ध होने से उर्दू सज्जी उत्पादन में मदद मिली और मछली पालन की संभावनाएं भी विकसित हुईं। खेती और मछली पालन को एक साथ अपनाने से ग्रामीण परिवारों को आय के एक से अधिक स्रोत विकसित करने का अवसर मिल सकता है। जल संरक्षण के कार्यों को आजीविका से जोड़ने पर उनका महत्व और बढ़ जाता

है। स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार डबरी की उपयोग सिंचाई, सब्जी उत्पादन और मछली पालन के लिए किया जा सकता है। इससे ग्रामीण रोजगार, कृषि उत्पादन और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग को प्रोत्साहन मिलता है। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास की गति बढ़ाने के लिए सड़क संपर्क का बेहतर होना आवश्यक है। सड़कें गांवों को शिक्षा, स्वास्थ्य, बाजार और रोजगार के अवसरों से जोड़ती हैं। प्रथममंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत अम्बिकापुर-देमरा-मैपाट मार्ग से मानिक प्रकाशपुर तक 3.85 किलोमीटर लंबी सड़क का नवीनीकरण 57.83 लाख रुपये की लागत से पूरा किया गया। सड़क का नवीनीकरण होने से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर हुई है। ग्रामीणों, विद्यार्थियों, किसानों और अन्य राहगीरों को दैनिक जरूरतों के लिए आने-जाने में सुविधा मिलने के साथ आसपास के बाजारों और आवश्यक सेवाओं तक पहुंच बढ़कर बनाने में सहायता मिलती है। अच्छी सड़कें कृषि उपज के परिवहन, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और विद्यार्थियों के नियमित आवागमन के लिए भी उपयोगी हैं। इस प्रकार ग्रामीण अधोसंरचना में सुधार का लाभ अनेक क्षेत्रों में मिलता है। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों के लिए उपलब्ध अवसरों तक पहुंच आसान होती है और क्षेत्र के समग्र विकास को आधार मिलता है। सरगुजा जिले में सामने आए ये उदाहरण ग्रामीण विकास के अलग-अलग पहलुओं को उजागर करते हैं। नौनी सुरक्षा योजना बेटुलों के भविष्य के लिए आर्थिक सुरक्षा का अवसर देती है।

# जिंदगी पर भारी पड़ता मानसिक तनाव

## અનુજ આચાર્ય

आत्महत्या रोकने की शुरुआत बड़े सरकारी कार्यक्रमों से जितनी होती है, उतनी ही एक संवेदनशील परिवार, एक समर्थदायक शिक्षक, एक सजग मित्र और एक ऐसे समाज से भी होती है जहाँ परेशानी छिपाने के बजाय साक्षात् का जाती है भारत में आत्महत्या के आंकड़े केवल संख्याओं का बढ़ता हुआ ग्राफ़नहीं हैं, बल्कि वे हमारे समाज के भीतर बढ़ते मानसिक दबाव, अकेलेपन, आर्थिक असुविधा, पारिवारिक तनाव और भावानामक संवाद की कमी की गंभीर तस्वीरें भी सामने रखते हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की नवीनतम उपलब्ध रिपोर्ट 'एक्समिटेडल डेथ एंड सुसाइड इन इंडिया-2024' के अनुसार वर्ष 2024 में देश में 170746 आत्महत्याएँ दर्ज की गईं। यानी औसतन प्रतिदिन 468 से अधिक लोगों ने अपनी जान गंवाई। यह आंकड़ा इसलिए भी चिंता पैदा करता है क्योंकि इसके पीछे केवल व्यक्तिगत परिस्थितियाँ नहीं, बल्कि परिवार, शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और सामाजिक संबंधों से जुड़ी अनेक परतें दिखाई देती हैं। इस समस्या का सबसे संवेदनशील पक्ष युवाओं और विद्यार्थियों से जुड़ा है। 29 सितंबर 2026 को सामने आए सर्वोच्च न्यायालय द्वारा

महिला राष्ट्रीय कार्यबल के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के प्रारंभिक निष्कर्षों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में मानसिक स्वास्थ्य की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। दो लाख 43 हजार से अधिक विद्यार्थियों के जवाबों पर आधारित इस सर्वेक्षण में करीब 15 प्रतिशत विद्यार्थियों ने बताया कि पिछले छह महीनों में वे कई सप्ताह तक अत्यधिक तनाव, परेशानी, उदासी या बेचैनी की स्थिति से गुजरे, जबकि करीब 9 प्रतिशत ने पिछले एक वर्ष में अक्सर या बहुत बार आत्महत्या के विचार आने की बात कही। लगभग 34 प्रतिशत विद्यार्थियों ने किसी न किसी स्तर पर परिसर में खुद को बाहरी व्यक्ति जैसा महसूस किया। करीब 32 प्रतिशत ने यह भी बताया कि उनके संस्थान में कार्डसिलिंग की सुविधा उपलब्ध नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के राष्ट्रीय कार्यबल ने अपने अध्ययन में सामाजिक भेदभाव, परिसर में अलगाव की भावना, अकादमिक दबाव और संस्थागत सहायता की कमी जैसे पहलुओं पर भी ध्यान दिया है। हालांकि इस सर्वेक्षण के निष्कर्ष अभी प्रारंभिक हैं और इसे पूरे उच्च शिक्षा क्षेत्र की प्रतिनिधि नमूनेद्वारा नहीं माना जा सकता, फिर भी इतने बड़े सर्वेक्षण में सामने आए संकेतों को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। आत्महत्या को केवल मानसिक बीमारी का



परिणाम मानना भी सही नहीं होगा वर्ष 2024 के एसीआरबी आंकड़ों के अनुसार बीमारी से जुड़ी 30617 आत्महत्याएँ दर्ज हुई। इनमें 14305 मामले मानसिक बीमारी से संबंधित थे, जो बीमारी के कारण हुई आत्महत्याओं का लगभग 47 प्रतिशत है। डाउन टू अर्थ और सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के विश्लेषण के अनुसार 2023 में मानसिक बीमारी से जुड़ी ऐसी मौतों की संख्या 13978 थी। 24 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मानसिक बीमारी, बीमारी-संबंधी आत्महत्याओं का प्रमुख कारण रही। हिमाचल प्रदेश भी इस चिंता से अछूता नहीं है। हिमाचल पुलिस के क्राइम रिव्यू-2024 के अनुसार प्रदेश में 2024 में 813 आत्महत्याएँ दर्ज हुईं। इनमें

564 पुरुष और 249 महिलाएं थीं। अकेले कांगड़ा जिले में 137 मामले दर्ज हुए, जो प्रदेश के जिलों में उल्लेखनीय संख्या है। यह आंकड़ा हमें यह सोचने के लिए मजबूर करता है कि पहाड़ की शांत दिखाई देने वाली जिंदगी के भीतर भी कितने लोग ऐसी पीड़ा से गुजर रहे हैं, जिससे वे किसी से कह नहीं पाते। इस स्थिति में परिवार की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। किसी पेशाना व्यक्ति को तुरंत उपदेश देने के बजाय उसकी बात सुनना, उसके अनुभव को गंभीरता से लेना और जरूरत पड़ने पर विशेषज्ञ तक पहुंचाना जरूरी है। विद्यालयों और महाविद्यालयों में केवल करियर काउंसलिंग नहीं, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य और भावनात्मक सहायता को नियमित

व्यवस्था होनी चाहिए। शिक्षकों को भी ऐसे संकेत पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार विद्यार्थी अपने माता-पिता से पहले अपने शिक्षक के सामने अपनी परेशानी व्यक्त करता है। बढ़ती आत्महत्याओं और आत्मघाती विचारों का मुख्य इलाज पेशेवर मानसिक स्वास्थ्य सहायता, मनोचिकित्सा थैरेपी और उचित दवाओं का सेवन है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अनुसार, टेली मानस के माध्यम से 24 घंटे मानसिक स्वास्थ्य सहायता उपलब्ध है। इसके लिए 14416 या 1800.89.14416 पर संपर्क किया जा सकता है। सेवा का उद्देश्य केवल फ़ोन पर बातचीत तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरत पड़ने पर आगे की मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ना भी है। आत्महत्या की रोकथाम का अर्थ केवल संकट के समय किसी व्यक्ति को बचना नहीं, बल्कि ऐसी सामाजिक परिस्थितियाँ बनाना भी है जहाँ व्यक्ति अपनी परेशानी समझ रहे सज़ा कर सकते हैं। हमें बच्चों को यह सिखाना होगा कि असम्पत्ता अंत नहीं है, युवाओं को यह भरोसा देना होगा कि रोजगार या परीक्षा में असम्पत्ता उनकी पूरी सफलता नहीं है और परिवारों को यह समझाना होगा कि भावनाओं पर बातचीत कमजोरी नहीं।

# बिलाईगढ़ के ऐतिहासिक राजशाही दशहरा उत्सव में शामिल हुए मुख्यमंत्री

■ क्षेत्र के विकास के लिए की पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं

रायपुर ( विश्व परिवार )। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज सारंगढ़ – बिलाईगढ़ जिले के नगर पंचायत बिलाईगढ़ के रैनीभाटा में आयोजित ऐतिहासिक राजशाही दशहरा उत्सव में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्रवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए बिलाईगढ़ के विकास और नगरिक सुविधाओं के विस्तार के लिए पांच महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। मुख्यमंत्री ने बिलाईगढ़ में अपर कलेक्टर कार्यालय खोलने, बस स्टैंड से हायर सेकेंडरी स्कूल तक तीन करोड़ रुपए की लागत में गौरव पथ निर्माण, राजमहल जाने वाले मार्ग पर पुल निर्माण, नगर पंचायत के वार्ड क्रमांक 15 में मुक्तिधाम तथा मां समलाई माता मंदिर के समीप डोम शेड निर्माण की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इन विकास कार्यों से बिलाईगढ़ में प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ नगरीय अधोसंरचना और जनसुविधाएं सुदृढ़ होंगी। अपर कलेक्टर कार्यालय खुलने से क्षेत्रवासियों को अपने



प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा और स्थानीय स्तर पर समस्याओं के त्वरित निराकरण में सुविधा होगी। तीन करोड़ रुपए की लागत से बनने वाला गौरव पथ नगर की सुंदरता बढ़ाने के साथ आवागमन को बेहतर बनाएगा। इसी तरह राजमहल मार्ग पर पुल, मुक्तिधाम और 'डोम शेड' का निर्माण स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने में महत्वपूर्ण होगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीराम, माता सीता, पवनपुत्र हनुमान, मां जगदंबा, भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारों के साथ अपने संबोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि बिलाईगढ़ का ऐतिहासिक राजशाही दशहरा केवल

एक उत्सव नहीं, बल्कि हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता की जीवंत अभिव्यक्ति है। राजपरिवार ने पीढ़ियों से इस गौरवशाली परंपरा को संहेजकर रखा है और आज भी क्षेत्रवासी उसी श्रद्धा और उत्साह के साथ इसमें सहभागी होते हैं। उन्होंने इस परंपरा को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए राजपरिवार, आयोजन समिति और बिलाईगढ़वासियों को बधाई दी तथा आत्मीय स्वागत के लिए आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विजयादशमी के अधर्म पर धर्म, अन्याय पर न्याय और असत्य पर सत्य की विजय का शाश्वत संदेश देती है। भगवान श्रीराम ने इसी दिन

अहंकारी और अत्याचारी रावण का अंत कर धर्म की स्थापना की थी। हम हर वर्ष हर्ष और गौरव का अवसर रही। विजयादशमी की वास्तविक सार्थकता तब है, जब हम अपने भीतर के काम, क्रोध, मद, लोभ और अहंकार रूपी रावण का भी अंत करें। प्रभु श्रीराम के आदर्श हमें मर्यादा, कर्तव्य, न्याय और लोककल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं। समाज में प्रेम, सद्भाव और भाईचारे को मजबूत करना ही इस महापर्व का सच्चा संदेश है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भगवान श्रीराम और छत्तीसगढ़ का संबंध अत्यंत आत्मीय और प्राचीन है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या की जन्मभूमि और प्रभु श्रीराम का निहाल है। वनवास के दौरान प्रभु श्रीराम ने लंबा समय छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य क्षेत्र में व्यतीत किया। शिवरीनारायण में माता शबरी की भक्ति और राजिम का पवित्र त्रिवेणी संगम हमारी इसी समृद्ध आध्यात्मिक विरासत के प्रतीक हैं। छत्तीसगढ़ में भगवान श्रीराम को भांजे के रूप में पूजने की अनूठी परंपरा आज भी हमारी संस्कृति में जीवंत है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या धाम में लगभग पांच शताब्दियों की प्रतीक्षा के

बाद प्रभु श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ के लिए भी अपार हर्ष और गौरव का अवसर रही। प्रदेशवासियों की इसी आस्था को ध्यान में रखते हुए हमारी सरकार ने श्रीरामलला दर्शन योजना प्रारंभ की है। इसके माध्यम से अब तक लगभग 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को शासकीय खर्च पर अयोध्या धाम जाकर प्रभु श्रीरामलला के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ आज विकास और सुशासन की नई यात्रा पर तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमारी सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ प्रदेश के प्रत्येक क्षेत्र और प्रत्येक परिवार तक पहुंचे। मोदी की गारंटी के तहत प्रदेशवासियों से किए गए वादों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार गठन के अगले ही दिन आयोजित मंत्रिपरिषद की पहली बैठक में 18 लाख गरीब परिवारों को प्रधानमंत्री आवास उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया। केंद्र सरकार से लगातार मिल रहे सहयोग से प्रदेश में प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण तेज गति से हो रहा है और प्रतिदिन लगभग 1600 आवास बनाए जा रहे हैं।

## टाटीबंध क्षेत्र में एमपी ढाबा की स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण

■ गंदगी मिलने, एसटीपी नहीं मिलने, कम्पोस्ट पीट नहीं मिलने, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन नहीं किये जाने पर तत्काल किया 10 हजार रु. ई जुर्माना



रायपुर ( विश्व परिवार )। रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 8 स्वास्थ्य विभाग में प्राप्त जनशिकायतों को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा द्वारा दिये गये आदेशानुसार एवं जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी श्री संदीप वर्मा के नेतृत्व एवं स्वच्छता निरीक्षक श्री रितेश झा श्री राकेश बंजारे की उपस्थिति में नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत टाटीबंध ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित एमपी ढाबा में जनशिकायतों की वस्तुस्थिति की जानकारी लेने स्वच्छता व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान

एमपी ढाबा में गंदगी मिली एवं नियमानुसार एसटीपी की व्यवस्था करना नहीं पाया गया। वहीं कम्पोस्ट पीट की व्यवस्था करना नहीं पाया गया और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन नहीं पाया गया और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 का पालन नहीं पाया गया। इसे गंभीरता से लेते हुए जोन 8 जोन कमिश्नर द्वारा दिये गये निर्देशानुसार जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने संबंधित एमपी ढाबा के संचालक को भविष्य के लिये कड़ी कार्यवाही व चेतावनी देते हुए तत्काल 10 हजार रु. का ई जुर्माना किया।

## पार्षद देवदत्त द्विवेदी का कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला

■ धार्मिक आयोजनों में भी कांग्रेस जन राजनीतिक एजेंडा चलाने से पीछे नहीं है हट रहे

रायपुर ( विश्व परिवार )। रानी लक्ष्मी बाई वार्ड के सक्रिय व लोकप्रिय पार्षद देवदत्त द्विवेदी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि छत्तीसगढ़ और देश की राजनीति में अपनी जमीन पूरी तरह खो चुकी कांग्रेस अब खुद को जिंदा रखने के लिए पवित्र धार्मिक आयोजनों का सहारा ले रही है। उन्होंने दो टुक शब्दों में कहा कि वर्तमान में कांग्रेस के पास न तो अपनी कोई राजनीतिक जमीन बची है और न ही उनका जमीर जिंदा है।

पार्षद देवदत्त द्विवेदी ने हाल ही में मावो में आयोजित दुर्गा विसर्जन कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बांटे गए विवादित पर्चों पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, दुर्गा विसर्जन जैसे पावन और आस्था के केंद्र रहे कार्यक्रम में कांग्रेसियों द्वारा राजनीतिक एजेंडा चलाना और 'वोट चोर गद्दी छोड़', 'रेजिम चेंज' व



‘ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे’ जैसी मांग वाले पर्चे बांटना बेहद शर्मनाक है। यह कृत्य साफतौर पर दर्शाता है कि कांग्रेस अपनी करारी हार को अब तक पचा नहीं पाई है और यह सब उनकी हार की गहरी झल्लाहट व बोखलाहट को प्रदर्शित करता है। श्री द्विवेदी ने कांग्रेस की नीति और नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि कांग्रेस हमेशा से भ्रम की राजनीति करने में माहिर रही है। कांग्रेसी जिस संविधान को हाथ में लेकर दिन-रात उसकी दुहाई देते हैं, असल में उसी संविधान और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था पर उन्हें रती भर भी विश्वास नहीं है।

## किसी से दोयेष रखना नहीं अपना स्वार्थ रखना मत देखो सफलता मिलेगी

■ आप अयोग्य व्यक्ति के लिए कुछ नहीं कर सकते अनिष्ट को पहचान ही नहीं हो: मुनि पुगंव श्रीसुधासागरजी महाराज

इन्दौर ( विश्व परिवार )। किसी से दोयेष रखना अपना स्वार्थ रखना नहीं जाओ सफलता तुम्हारे कदम चूमेगी आप अयोग्य व्यक्ति के लिए कुछ नहीं कर सकते हैं अनिष्ट की पहचान ही नहीं हो पूरी दुनिया में योग्य व्यक्ति को ही पूछा जाता है ये बात अलग है कि पुण्य की हीनता में योग्य होते हुए व्यक्ति पीछे रह जाता है योग्य होने के साथ पुण्य और यससकीर्ति कर्म का उदय भी होना चाहिए तब कहीं जाकर आपको उचित स्थान मिलेगा इष्ट अनिष्ट दोनों में किसी ना किसी का उदय चलता रहता है अनिष्ट को हटा सकते इष्ट अपने आप आपको पास आ जायेगा दो चीजों को जानना जरूरी है एक चीज जो हमारे लिए हानिकारक है हमें पता है लेकिन हम से छूटती नहीं हैं (स्थाय में वो क्षमता नहीं कि वो अनिष्ट को हटा सके



वह तो प्रतिकार भी नहीं कर सकता है आप अयोग्य व्यक्ति के लिए कुछ नहीं कर सकते अनिष्ट की पहचान ही नहीं हो सकती उक्त आशय केउद्गार दलाल बाग मैदान में विशाल स्नाक समेजन की सभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

हर उम्र के लोगों को राष्ट्र संत का मिल रहा है मार्ग दर्शन: विजय धुरां

इसके पहले आज जिज्ञासा समाधान में मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय

धुरां ने कहा कि परम पूज्य निर्यापक श्रमण राष्ट्र संत मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज का हर वर्ग के लिए मार्गदर्शन मिल रहा है चाहे युवा स्नातक विद्वान हो चाहे पाठशालाये की प्रोग्र वर्ग हो महिलाएं हो युवा हो युवा ऊर्जा से भरे होते हैं में भव्य आयोजन किया जा रहा है इसमें शहर और अंचल के युवाओं के साथ देशभर से कार्यकर्ताओं का समूह आ रहा है इस दौरान युवा विद्वानों की विद्वत श्री एवं विदुषी की उपाधि से विभूषित किया गया।

## आपकी नजर का इलाज है नजरिया का नहीं: मुनि श्रमण सागर जी

राघौगढ़ ( विश्व परिवार )। दिगंबर जैन आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य प्रवचन वाचस्पति, महान तपस्वी, औजस्वी वक्ता, बुंदेली आशु कवि मुनि श्रमण सागर जी महाराज ने राघौगढ़ में जारी श्रमण धारा प्रवचन माला में आचार्य विद्यासागर सभागार राघौगढ़ में नजर एवं नजरिये का इलाज विषय पर प्रवचन देते हुए कहा दुनिया में नजर का इलाज है आपके नजरिए का इलाज कराना आवश्यक है। आपने कहा युवा पीढ़ी इस सोच से लींचित रहती है कि क्या कहेंगे लोग। इस गलत सोच का परिणाम यह होता है कि महाविद्यालय में उच्च अध्ययन कर रहे युवक अपने साथियों के बहकावे में आकर रात्रि भोजन



करने लगते हैं शराब पीने लगते हैं। मुनिराज ने कहा सुनते हैं कि अपने मित्रों के साथ मिलकर आजकल लड़कियां भी सिगरेट एवं शराब पीने लगी हैं। वर्तमान में यह देखने में आ रहा है अपने पूज्य पिताजी को अधिक बीमार हो जाने पर जीवन के अंतिम समय में लोग क्या कहेंगे इलाज

नहीं कराया। उन्हें महंगे से महंगे अस्पताल में भर्ती कर देते हैं। यह जानते हुए भी कि इनका अंतिम समय है अंतिम समय में गुरुजनों के पास नहीं ले जाते हैं। अपने पिताजी को सदति की ओर बढ़ने के प्रयास नहीं करते हैं अंतिम समय में इस तरह से उनकी दुर्गति होती है।

## दशहरा पर्व पर महापौर मीनल चौबे ने किया फिल्टर प्लांट में मशीनों की पारम्परिक पूजा



रायपुर ( विश्व परिवार )। आज दशहरा पर्व पर रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने दशहरा पर्व पर रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन में भूतल पर स्थित नगर निगम प्रेस विभाग में नगर निगम की मिनी ऑफ़सेट प्रिंटिंग मशीन और रावणभाटा फ़िल्टरप्लांट में मशीनों की पारम्परिक पूजा – अर्चना की।

महापौर मीनल चौबे द्वारा नगर निगम की मिनी ऑफ़सेट

प्रिंटिंग मशीन और रावणभाटा फ़िल्टरप्लांट की मशीनों की पारम्परिक पूजा – अर्चना के दौरान उनके साथ नगर निगम जल कार्य विभाग अध्यक्ष श्री संतोष साहू, संस्कृति विभाग के अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी, अपर आयुक्त श्री विनोद पाण्डेय, कार्यपालन अभियंता जल श्री नर सिंग फ़रेन्द्र, नगर निगम प्रेस विभाग और जल कार्य विभाग के समस्त निगम अधिकारीगणों और कर्मचारीगणों की उपस्थिति रही।

## सम्यक ज्ञान से ही बदलेगी जीवन की दशा, प्रगति के साथ सावधानी जरूरी: मुनि श्री समतासागर महाराज जी

कुण्डलपुर ( विश्व परिवार )। निर्यापक श्रमण मुनि श्री समतासागर जी महाराज ने कहा कि जीवन में सम्यक ज्ञान की भावना जागृत होना बहुत जरूरी है। ज्ञान ही हमें अपने-पराए, सही-गलत और हित-अहित का बोध कराता है। संसार में धन, संपत्ति, परिवार, व्यापार और प्रतिष्ठा पुण्य के उदय से प्राप्त हो सकते हैं, लेकिन आत्मा का यथार्थ ज्ञान और सम्यक दृष्टि प्राप्त करना दुर्लभ है। मनुष्य को बाहरी संसार का ज्ञान प्राप्त करने के साथ यह भी समझना चाहिए कि वह स्वयं कौन है और उसके जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या है।

राष्ट्रीय प्रवक्ता अविनाश जैन ‘विद्यावाणी’ एवं प्रचारमंत्री जयकुमार जैन ‘जलज’ ने बताया कि मुनि श्री ने अपने प्रवचन में सम्यक ज्ञान,



आत्मपहचान, विवेक और जीवन में सावधानी के महत्व को विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से समझाया। उन्होंने कहा कि डॉक्टर, इंजीनियर, वैज्ञानिक, शिक्षक और किसान सहित प्रत्येक व्यक्ति को अपने कार्यक्षेत्र का ज्ञान होता है। विज्ञान ने भौतिक पदार्थों और प्रकृति के अनेक रहस्यों को उजागर किया है, लेकिन जैन

दर्शन उस ज्ञान को महत्वपूर्ण मानता है, जो व्यक्ति को अपनी आत्मा और उसके वास्तविक स्वरूप का बोध कराए। संसार का ज्ञान जड़ पदार्थों तक निकल रह सकता है, जबकि परमार्थ का ज्ञान ज्ञाता-द्रष्टा आत्मा की पहचान कराता है। मुनि श्री ने कहा कि सम्यक ज्ञान का अर्थ केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि सही और गलत के बीच अंतर समझना है। दूध और शराब का उदाहरण देते हुए उन्होंने समझाया कि यदि व्यक्ति को दोनों के गुण-दोष का ज्ञान नहीं है, तो वह बिना विवेक के किसी को भी ग्रहण कर सकता है। इसी प्रकार जीवन में उचित-अनुचित का बोध न होने पर मनुष्य गलत रास्ते पर बढ़ सकता है। धर्मग्रंथों के अध्ययन, तीर्थकरों की देशना सुनने

और गुरुजनों के सान्निध्य से सही दृष्टि प्राप्त होती है। भले ही व्यक्ति तत्काल अपनी बुराइयों को छोड़ न पाए, लेकिन सही और गलत का बोध हो जाने पर भविष्य में सुधार की संभावना बनती है। जीवन में सावधानी का महत्व बताते हुए मुनि श्री ने कहा कि सुनहरे कल को ओर बढ़ना अच्छी बात है, लेकिन चमक-दमक देखकर भ्रमित नहीं होना चाहिए। सड़क पर लगे संकेत ‘सावधान, आगे अंधा मोड़ है’ का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि मोड़ अंधा नहीं होता, बल्कि कई बार आंखें होते हुए भी व्यक्ति विवेकहीन होकर आगे बढ़ता है। जल्दबाजी, नशे में वाहन चलाना और गलत तरीके से आगे निकलने की कोशिश दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण हैं। आज का मनुष्य

इतनी तेजी में है कि उसे न संकेत पढ़ने की पुसंत है और न परिस्थितियों को समझने की। उसकी एक छोटी-सी लापरवाही स्वयं के साथ दूसरों के जीवन को भी संकट में डाल सकती है। इसलिए प्रगति के साथ संयम, विवेक और सावधानी आवश्यक हैं। मुनि श्री ने कहा कि मनुष्य को विचार करना चाहिए कि वह कहाँ से आया है, कहाँ जा रहा है और वास्तव में कौन है। यदि इन प्रश्नों का उत्तर ही नहीं मालूम, तो जीवन की दिशा पर विचार करना जरूरी है। जैन दर्शन का सार आत्मा के वास्तविक स्वरूप को पहचानना और अपने स्वभाव की ओर लौटना है। सिद्धांतों को केवल सुनना पर्याप्त नहीं, उन्हीं जीवन में उतारना और उनका प्रचार-प्रसार करना भी आवश्यक है।

## महादेवघाट के समीप विसर्जन कुण्ड में देवी मूर्तियों का श्रद्धापूर्ण विसर्जन

रायपुर। रायपुर में महादेवघाट पाटन पुलिसिया के समीप नगर निगम रायपुर के विसर्जन कुण्ड में रात्रि 10 बजे तक दुर्गा माता की 400 मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक भक्तजनों द्वारा प्रशासनिक व्यवस्था अंतर्गत विसर्जन किया जा चुका है और आज सुबह से देर रात्रि तक विसर्जन कुण्ड में दुर्गा माता की मूर्तियों का श्रद्धापूर्वक विसर्जन करने भक्तों का ताँता विसर्जन कुण्ड स्थल पर लगा रहा।



संक्षिप्त समाचार

बस्तर दशहरे में बड़ा हादसा : भीतर रैनी रस्म के दौरान रथ खींचते समय एक ग्रामीण की मौत, दूसरे की कट गई पैर



जगदलपुर। विश्वप्रसिद्ध बस्तर दशहरे की भीतर रैनी रस्म के दौरान रथ खींचते समय एक दर्दनाक हादसा हो गया। इस घटना में दो ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक युवक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरे युवक का पैर कट जाने से उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रास जानकारी के अनुसार, भीतर रैनी रस्म के दौरान पारंपरिक रूप से रथ खींचने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी दौरान दो ग्रामीण हादसे की चपेट में आ गए। घटना के बाद मौके पर अफ़्ना-तफ़्फ़ी मच गई। एक युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया, जबकि दूसरे घायल युवक को उपचार के लिए महारानी अस्पताल ले जाया गया। हादसे में उसका पैर कट गया है। इस बात की पुष्टि सिविल सर्जन डॉ संजय प्रसाद ने की है। इस दर्दनाक घटना से बस्तर दशहरे में शामिल लोगों के बीच शोक का माहौल है। बस्तर दशहरा अपनी विशिष्ट जनजातीय परंपराओं, आस्था और सामूहिक सहभागिता के लिए देश-दुनिया में प्रसिद्ध है। ऐसे में पारंपरिक रस्म के दौरान हुए इस हादसे की वजह से लोगों में शोक व्याप्त है।

30 अक्टूबर को सजेगा जिला स्तरीय युवा उत्सव का मंच,7 विधाओं में हुनर दिखाएंगे युवा

जगदलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा बस्तर जिले के प्रतिभावान युवाओं की कला और रचनात्मक ऊर्जा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी जिला स्तरीय युवा उत्सव का भव्य आयोजन 30 अक्टूबर को किया जा रहा है। यह आयोजन प्रातः 9 बजे से इंदिरा स्टेडियम, जगदलपुर स्थित हॉस्टल बिल्डिंग में सहायक संचालक, खेल एवं युवा कल्याण कार्यालय के प्रशिक्षण हॉल में प्रारंभ होगा। जिले के विभिन्न विकासखंडों के 15 से 29 आयु वर्ग के युवा बालक और बालिकाओं के लिए यह उत्सव पूरी तरह निःशुल्क रहेगा। इसमें प्रतिभागियों को लोकनृत्य, लोकगीत, नुक्कड़ नाटक, कविता लेखन, चित्रकला, पारंपरिक वेशभूषा तथा आधुनिक दौर के लोकप्रिय क्रिएटिव यूथ रील चैलेंज जैसी कुल सात विधाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिला स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान हासिल करने वाले प्रतिभागियों और विजेता दलों को नकद पुरस्कार व ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, जिला स्तर के शीर्ष दो विजेताओं को राज्य स्तरीय युवा महोत्सव में बस्तर जिले का प्रतिनिधित्व करने का सीधा अवसर भी प्राप्त होगा। इस महोत्सव में हिस्सा लेने के इच्छुक सभी प्रतिभागियों के लिए माय भात पोर्टल पर पूर्व पंजीयन कराना अनिवार्य किया गया है। प्रतियोगिता की विधाओं, नियमों तथा पंजीयन से संबंधित किसी भी प्रकार के विस्तृत दिशा-निर्देशों की जानकारी के लिए इच्छुक युवा प्रदीप साहू से संपर्क कर सकते हैं।

मावली मंदिर में गौ सेवकों द्वारा भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम संपन्न

शस्त्र पूजन भारतीय संस्कृति, शौर्य,आत्मरक्षा और धर्मरक्षा की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक : सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर ( विश्व परिवार )। गौ सेवकों के तत्वावधान में मंगलवार को जगदलपुर स्थित मावली माता मंदिर में भव्य शस्त्र पूजन कार्यक्रम श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में बस्तर लोकसभा क्षेत्र के सांसद महेश कश्यप मुख्य अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में रजनीश पानीग्राही व प्रकाश झा शामिल हुए।

इस पूजन कार्यक्रम में विधि विधान के साथ शस्त्र पूजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति, शौर्य परंपरा,धर्मरक्षा तथा गौ सेवा के प्रति



जनजागरण को प्रोत्साहित करना रहा। पूजन हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा का महत्वपूर्ण अंग हैइ शस्त्र सांसद महेश कश्यप ने कहा कि शस्त्र

विदेशी पर्यटक पर चढ़ा बस्तर की लोककला का जादू

‘कला गुड़ी एक्सपीरियंस ज़ोन’ में हस्तशिल्प देखा हुए मुग्ध

‘अनुवेद’ ब्रांड की खरीदारी कर दिया थम्स-अप

जगदलपुर ( विश्व परिवार )। बस्तर की समृद्ध जनजातीय शिल्पकला और अनूठी सांस्कृतिक विरासत अब सात समंदर पार के सेलानियों को भी अपना मुरीद बना रही है। ‘आमचो बस्तर टूरिज्म’ पहल के तहत संचालित ‘बस्तर कला एवं हस्तशिल्प – बस्तर कला गुड़ी एक्सपीरियंस ज़ोन’ में आज एक विदेशी पर्यटक ने भ्रमण कर स्थानीय शिल्पकारों की अद्भुत प्रतिभा का दीदार किया। भ्रमण के दौरान विदेशी मेहमान को ने बस्तर की विश्वप्रसिद्ध प्राचीन ढोकरा आर्ट (बेलमेटल), काष्ठ शिल्प, बांस कला और रॉट आयरन से सजी आकर्षक कृतियों का बेहद बारीकी से अवलोकन किया। इन हस्तनिर्मित कलाकृतियों में रची-बसी पारंपरिक कारीगरी को देखकर वे खासे प्रभावित हुए और उन्होंने इस कला की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए ‘थम्स-अप’ के साथ अपनी खुशी और संतुष्टि जाहिर की। कला की सुंदरता से प्रभावित



होकर विदेशी पर्यटक ने न केवल स्थानीय शिल्पकला की बारीकियों को समझा, बल्कि बस्तर के हुनर को स्मृति-चिह्न के तौर पर साथ ले जाने के लिए अनुवेद ब्रांड के तहत तैयार बस्तर आर्ट उत्पादों की जमकर खरीदारी भी की। उल्लेखनीय है कि बस्तर कला गुड़ी परिसर का विकास राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत किया गया है, जिसका मुख्य उद्देश्य महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी शिल्पकारों के उत्कृष्ट उत्पादों को एक व्यवस्थित मंच और सीधा बाजार

केवल शक्ति का प्रतीक नहीं,बल्कि अन्याय के प्रतिकार,निर्बलों की रक्षा और धर्म की मर्यादा बनाए रखने के संकल्प का भी प्रतीक है। हमारी संस्कृति हमें शक्ति के साथ संयम, साहस के साथ विवेक और सामर्थ्य के साथ सेवा का भाव भी सिखाती है।

उन्होंने कहा कि गौ माता की सेवा और रक्षा भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में विशेष स्थान रखती है। गौ सेवा केवल धार्मिक आस्था का विषय नहीं,बल्कि करुणा, संवेदना और जीवमात्र के प्रति दायित्व का प्रतीक भी है। समाज के युवाओं को अपनी सांस्कृतिक विरासत,धार्मिक परंपराओं और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। सांसद ने आयोजनों के सम्बन्ध मे कहा कि भारतीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए गौ सेवकों के प्रयासों की सराहना की। गौ

सेवक बस्तर की ओर से सभी अतिथियों एवं सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गयाइ कार्यक्रम का समापन गौ सेवा,सनातन संस्कृति के संरक्षण तथा सामाजिक एकजुटता के संकल्प के साथ हुआ। इस अवसर पर अनिल अग्रवाल, कैलाश ठाकुर,किशोर पांडे,कमलेश विश्वकर्मा, अभिलाष यादव,नरेश कोरी,आशीष कोटक, रोहन घोष,विक्रम ठाकुर, आनंद झा, बृजेश कपूर,जशवंत जोशी, रवि नेताम,ईंद्र टेमरे, रमेश नायडू, संजय मौर्य, योगेश ठाकुर, रोहन सेठिया, यश कुमार, फूलकुमार, गौरव ठाकुर, विक्रांत नाग,शुभम ठाकुर,सावन यादव, सचिन इनानी, महेंद्र,अमित ठाकुर, बलराज यादव, नीरज पानीग्राही, गीतेश पानीग्राही,जितेंद्र जोशी,डालेस्वर कश्यप एवं प्रियांशु ठाकुर सहित अन्य गौ सेवक एवं श्रद्धालु उपस्थित रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 23 अक्टूबर को जगदलपुर प्रवास सिरहासार के ऐतिहासिक मुरिया दरबार और लालबाग की आमसभा में होंगी शामिल

वन मंत्री केदार कश्यप ने लालबाग में लिया तैयारियों का जायजा

जगदलपुर ( विश्व परिवार )। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू आगामी 23 अक्टूबर को बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर के एकदिवसीय महत्वपूर्ण प्रवास पर आ रही हैं। अपने इस ऐतिहासिक दौरे के दौरान राष्ट्रपति सिरहासार भवन में आयोजित पारंपरिक मुरिया दरबार में शिरकत करेंगी तथा इसके बाद लालबाग मैदान में आयोजित विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी।

राष्ट्रपति के आगमन को ध्यान में रखते हुए तैयारियां अंतिम चरण में है। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने लालबाग मैदान स्थित कार्यक्रम स्थल का सघन निरीक्षण कर सुरक्षा व



व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने मंच व्यवस्था, बैठक व्यवस्था, वीआईपी दीर्घा, सुरक्षा घेरा, यातायात प्रबंधन और आम नागरिकों की सुविधाओं से जुड़े तमाम बिंदुओं की बारीकी से समीक्षा की तथा संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जगदलपुर विधायक श्री किरण सिंह देव, महापौर श्री संजय

पाण्डे सहित कई प्रमुख जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

इस मौके पर कमिश्नर श्री डोमन सिंह, पुलिस महानिरीक्षक श्री बीएन मीणा, मुख्य वन संरक्षक सुश्री स्ट्यालो मंडावी, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, पुलिस अधीक्षक श्री शलभ सिन्हा, वन मंडलाधिकारी श्री दीपेश कपिल, जिला पंचायत सीईओ श्री तन्मय खन्ना तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

महामहिम राष्ट्रपति का बस्तर आगमन पूरे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरव का क्षण : सांसद महेश कश्यप

जगदलपुर : विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व के अवसर पर आगामी 23 अक्टूबर को देश की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का जगदलपुर आगमन हो रहा है। बस्तर लोकसभा सांसद एवं दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप ने महामहिम राष्ट्रपति के इस प्रवास को पूरे बस्तरवासियों के लिए अत्यंत गर्व और ऐतिहासिक अवसर बताया है इ सांसद महेश कश्यप ने बताया कि महामहिम राष्ट्रपति का यह दौरा बस्तर की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर एक नई पहचान प्रदान करेगा। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू 23 अक्टूबर को सुबह जगदलपुर आगमन के पश्चात सबसे पहले प्रसिद्ध मां दंतेश्वरी मंदिर में पूजा अर्चना कर बस्तर व प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की कामना करेंगी। इसके बाद वे बस्तर दशहरा के तहत आयोजित होने वाले ऐतिहासिक ‘मुरिया दरबार’ में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी। यहाँ वे बस्तर की पारंपरिक व्यवस्था के संवाहक मांझी चालकी समुदाय के लोगों एवं समाज प्रमुखों से मुलाकात करेंगी। मुरिया दरबार के पश्चात जगदलपुर के लालबाग मैदान में आयोजित भव्य सार्वजनिक कार्यक्रम एवं विशाल आमसभा को संबोधित करेंगी। सांसद महेश कश्यप ने कहा कि मां मावली दंतेश्वरी को समर्पित बस्तर दशहरा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि बस्तर की समृद्ध जनजातीय आस्था,सामाजिक परंपराओं और लोकतांत्रिक मूल्यों का जीवंत प्रतीक हैइ रियासत काल से चली आ रही ‘मुरिया दरबार’ की परंपरा में मांझी,मुखिया और जनजातीय समाज अपनी बातें एवं आवश्यकताएं रखते आए हैं।

बस्तर दशहरा: 23 अक्टूबर को सिरहासार भवन में ही आयोजित होगा पारंपरिक ‘मुरिया दरबार’



नाम बदलने की चर्चाएं महज अफवाह, बस्तर दशहरा समिति एवं प्रशासन ने किया स्पष्ट

जगदलपुर ( विश्व परिवार )।विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा पर्व की सबसे महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक रस्मों में शुमार ‘मुरिया दरबार’ को लेकर बीते कुछ दिनों से चल रही तमाम अटकलों और चर्चाओं पर अब पूरी तरह विराम लगा दिया गया है।

बस्तर दशहरा समिति ने स्थिति स्पष्ट करते हुए आधिकारिक तौर पर बताया है कि 23 अक्टूबर को आयोजित होने वाला यह पारंपरिक दरबार अपने पूर्व निर्धारित और ऐतिहासिक स्थल यानी सिरहासार भवन में ही आयोजित किया जाएगा। वर्षों से चली आ रही इस गौरवशाली परंपरा को निभाते हुए स्पष्ट कर दिया गया है कि इस वर्ष भी आयोजन स्थल में किसी भी तरह का कोई बदलाव नहीं किया जा रहा है।



इसके साथ ही मुरिया दरबार का नाम बदले जाने को लेकर फैल रही खबरों को भी सिरे से खारिज करते हुए बस्तर दशहरा समिति ने स्पष्ट किया कि नाम परिवर्तन की बात पूरी तरह निराधार और अफवाह मात्र है। बस्तर दशहरा समिति की ओर से वितरित किए जा रहे निमंत्रण पत्र में भी स्पष्ट तौर पर ‘मुरिया दरबार’ का ही उल्लेख किया गया है, जिससे यह साफहोता है कि सदियों पुरानी इस सामाजिक-सांस्कृतिक धरोहर के स्वरूप या

पहचान से कोई छेड़छाड़ नहीं हुई है। वहीं दूसरी ओर बस्तर दशहरा के पावन अवसर पर आम जनता और आगंतुकों की सुरक्षा के लिए लालबाग मैदान में प्रदर्शनी और आमसभा का आयोजन किया जा रहा है, ताकि दोनों कार्यक्रम अपनी-अपनी गरिमा और स्वरूप के साथ सुगमता से संपन्न हो सकें। इस बारे में जनसामान्य से किसी भी प्रकार की भ्रामक खबरों और अपुष्ट अफवाहों पर ध्यान न देने का अनुरोध किया है।

पुलिस स्मृति दिवस पर अमर वाटिका, बस्तर में वीर शहीद पुलिसकर्मियों को दी गई श्रद्धांजलि, अतिथियों ने शहीद परिवारों से की मुलाकात

जगदलपुर ( विश्व परिवार )। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आज दिनांक 21 अक्टूबर 2026 को प्रातः 08:30 बजे अमर वाटिका, बस्तर में श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर देश की आंतरिक सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीर पुलिसकर्मियों को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। समारोह के दौरान पुलिस महानिरीक्षक बस्तर श्री बी.एन. मीणा द्वारा कर्तव्य निर्वहन के दौरान वीरगति को प्राप्त पुलिसकर्मियों के नामों का वाचन किया गया। इसके पश्चात प्रशिक्षु सूबेदार श्री ओम कुमार के नेतृत्व में पुलिस जवानों द्वारा शहीदों को सलामी दी गई। उपस्थित अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों ने



शहीद पुलिसकर्मियों के सम्मान में पुष्पचक्र अर्पित कर उन्हें नमन किया।

समारोह में उपस्थित अतिथियों ने शहीद पुलिसकर्मियों के परिजनों से भेंट कर उनसे

आत्मीय चर्चा की तथा उनका कुशलक्षेम जाना। अतिथियों ने राष्ट्र एवं समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्रियजनों का सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीद परिवारों के प्रति सम्मान एवं



संवेदना व्यक्त की। शहीद परिवारों का त्याग, धैर्य और समर्पण समाज के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा।

पुलिस स्मृति दिवस उन वीर जवानों के

सर्वोच्च बलिदान का स्मरण कराता है, जिन्होंने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए राष्ट्र की सेवा में अपने प्राणों की आहुति दी। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों एवं पुलिस अधिकारियों-

कर्मचारियों ने शहीदों के आदर्शों पर चलने तथा जनसेवा, आंतरिक सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के वन मंत्री श्री केदार कश्यप, सांसद श्री महेश कश्यप, महापौर श्री संजय पांडे, कांग्रेस जिला अध्यक्ष श्री सुशील मौर्य, पुलिस महानिरीक्षक बस्तर श्री बी.एन. मीणा, पुलिस अधीक्षक बस्तर श्री शलभ कुमार सिन्हा, कलेक्टर श्री आकाश छिकारा, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय खन्ना, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बस्तर श्री सुखनंदन राठौर तथा सीएसपी जगदलपुर श्री सुमित कुमार सहित जिले के समस्त राजपत्रित एवं अराजपत्रित अधिकारी-कर्मचारीगण तथा शहीद पुलिसकर्मियों के परिजन उपस्थित रहे।

# SMC Group of Hospitals की महत्वपूर्ण पहल

■ रायपुर में पहली बार आयोजित हुआ राज्यस्तरीय सम्मेलन 'हाई रिस्क प्रेग्नेंसी अपडेट 2026'



रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में गर्भाण्वती महिलाओं के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने, गर्भावस्था के दौरान होने वाली गंभीर जटिलताओं को कम करने तथा मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के उद्देश्य से SMC Group of Hospitals द्वारा राज्यस्तरीय सम्मेलन 'हाई रिस्क प्रेनैसी अपडेट 2026' का आयोजन किया गया। छत्तीसगढ़ में पहली बार इस विषय पर इस तरह का सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें पूरे प्रदेश से लगभग 150 स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञों ने भाग लिया।

### सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य

इस सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य हाई रिस्क प्रेग्नेंसी के मामलों को कम करना, गर्भावस्था के दौरान होने वाली जटिलताओं की समय पर पहचान करने और गर्भवती महिलाओं को उचित उपचार उपलब्ध कराने के उपायों पर चर्चा करना था।

विशेषज्ञों ने बताया कि गर्भावस्था के प्रारंभिक चरणों में, जैसे कि पहली तिमाही, हाई ब्लड प्रेशर, डायबिटीज, हृदय रोग, एनीमिया और अत्यधिक रक्तस्राव जैसी समस्याएं माँ और बच्चे दोनों के लिए खतरा बन सकती हैं। नियमित जांच, सही पर ज़ोखिम पद्धिचान, उचित पोषण और विशेषज्ञ चिकित्सकों की सलाह से इन जटिलताओं को कम करने में मदद मिल सकती है।

दिया गया कि गर्भावस्था की शुरुआत से ही महिलाओं की नियमित जांच की जाए, हाई रिस्क मामलों की पहचान कर विशेष निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर समय पर उच्च स्तरीय चिकित्सा केंद्र में उपचार उपलब्ध कराया जाए। इससे सुरक्षित प्रसव को बढ़ावा देने और मातृ एवं शिशु मृत्यु दर कम करने में मदद मिल सकती है।

भारत में मातृ मृत्यु दर को कम करना स्वास्थ्य सेवाओं की एक महत्वपूर्ण

प्राथमिकता है। भारत की मातृ मृत्यु दर वर्ष 2020-22 में प्रति एक लाख जीवित जन्म पर 88 थी। विशेषज्ञों के अनुसार, मातृ मृत्यु के लगभग 70 प्रतिशत मामले हार्ड रिस्क प्रेग्नेंसी से जुड़े हो सकते हैं। इसलिए छत्तीसगढ़ में भी मातृ मृत्यु दर को कम करने के लिए गर्भवती महिलाओं की समय पर जांच, हार्ड रिस्क मामलों की शीघ्र पहचान और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना आवश्यक है।

देश के विशेषज्ञों ने साझा किए अपने अनुभव

सम्मेलन में अहमदाबाद से आए डॉ. नागोरी एवं डॉ. सोनल पांचाल तथा ग्वालिपर से आई. वी. वी. अग्रवाल ने ग्वालिपरस्थ के दौरान होने वाली जटिलताओं और उनके बेहतर प्रबंधन पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ चिकित्सकों ने भी अपने अनुभव साझा किए। विशेषणों ने बताया कि निर्धन एएनसी जांच, ब्लड प्रेशर की निगरानी, हीमोग्लोबिन एवं ब्लड शुगर की जांच और आवश्यक अल्ट्रासाउंड के माध्यम से गर्भवस्था के दौरान होने वाले जोखिमों की पहचान की जा सकती है।

**पहलवान कन्हैयालाल कसार की स्मृति में छात्र-छात्राओं का सम्मान समारोह संपन्न**



रायपुर ( विश्व परिवार ) । स्व. श्री कन्हैयालाल जो कसार की 24वीं पुण्यतिथि पर उनके कुटीर के प्रति महान योगदान और व्यक्तित्व को श्रद्धापूर्वक याद किया गया रायपुर कॉन्वेंट उ.मा. विद्यालय गुडियारी, न्यू राजेन्द्र नगर, शिवानंद नगर एवं केन्द्रेट्टेरेनेशनल स्कूल झोंट में प्रातः10बजे स्कूल के अध्यक्ष सचिव प्राचार्या शिक्षक शिक्षिकाएं एवं छात्र/छात्राओं ने पुण्य तिथि के अवसर पर उनके उच्छ्रुत कार्यों और समाज सेवा में योगदान को याद कर उन्हें पुष्पांजली अर्पित की गई। उन्होंने अपने जीवन के 70 वर्ष तक समाज और देश की सेवा में समर्पित किया और रायपुर शहर एवं छत्तीसगढ़ एवं अन्य राज्यों में रायपुर शहर का नाम उँचा किया। वे हर जाति और धर्म के लोगों को कुस्ती सिखाते थे।

शिक्षा मिले। उसी सपने को साकार करने के लिए उन्होंने रायपुर कान्ठे-उ.म.शाला की नींव रखी। जर्मन हजाराओं को छात्र/छात्राओं की शिक्षा के माध्यम से ऊँचाईयों तक पहुँचे का अवसर मिला। उनकी सरलता और विनम्रता का यह आलम था कि बड़े से बड़े राजनेता, प्रतिष्ठित लोग उनके व्यक्तिबोध से प्रभावित होकर सम्मान देते थे। वे कहते थे कि तना हो सके दूसरों की मदद करो, अच्छा व्यवहार करो, प्रेमेश्वर अपने माता-पिता का सम्मान करो-अजितपुरण्यतिथि के अवसर पर कान्ठे उ.म.वि. गुट्टियारी तकम अंक प्राप्त छात्र-छात्रा की स्पृति चिन्ह से किया गया है।

उस्ताद जी समाज में जब छुआछूत का बोलबाला था तब सभी जाति धर्म के लोगों को कुश्ती सिखाते थे। उस्ताद जी न कि कुश्ती में बल्कि समाज सेवा में कई जरूरतमंद परिवारों की करीब 1200 परिवारों की बेटियों की शादी में आर्थिक मदद की। उनका सपना था कि हर बच्चों को न्यूनतम शुल्क में अच्छी

मान देते थे। वे कहते थे कि तब तक तना हो सके दूसरों की मदद करो, अच्छा व्यवहार करो, ईर्ष्या अपने माता-पिता को न दिला सम्मान करो। आज का पुण्यतिथि के अवसर पर कान्वेंट उ.मा.वि. गुड़ियारी में एक अंक प्राप्त छात्रों को स्मृति चिन्ह से पुरस्कृत किया गया है।

राजधानी में मुश्किल से एक दो मैदान बचे हैं सरकार उनको भी बेच रही : कांग्रेस

■ बीटीआई ग्राउंड में  
कमर्शियल  
रेसीडेंसियल प्रोजेक्ट  
का कांग्रेस विरोध  
करती है



रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी सरकार द्वारा राजधानी के बीटीआई ग्रांड में कर्मशियल एवं रेमीडीयल प्रोजेक्ट बनाये जाने का कांग्रेस ने विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस सरकार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि राजधानी में मुश्किल से एक दो मैदान बचे हैं सरकार उनको भी खेती कर रही है। बीटीआई ग्रांड के बीचो बीच चौर नगर क्षेत्र का भी मात्र मात्र खुला मैदान है। जहाँ पर राजधानी के लोग सुबह शाम प्रसर कर रहे हैं। वहाँ पर विभिन्न प्रकार के सामाजिक और सांस्कृतिक आयोजन किये जाते हैं। यहाँ पर कर्मशियल और रेमीडीयल प्रोजेक्ट तो बनाया जाना गलत है। राजधानी में खुल मैदान को ज्यादा जरूरत है सरकार बिल्डर मत बने अपनी सामाजिक संरक्षण को निभाये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि रायपुर में खुले मैदानों को कमी पहले से है। पहले जो कंक्रीट के मैदान थे। उसको राजधानी को पूर्ववर्ती सरकारों ने कुदामे और विभिन्न निर्माण करवा कर खतम कर दिया है। साईंस कालेज टावर, सप्रे स्कूल, आरजे टीवारा स्कूल, मोवा स्कुल गवर्मेन्ट स्कुल के मैदान तो पहले ही दम तोड़ चुके हैं। अब एक मात्र बचे बीटीआई ग्रांड को समाप्त किया जाना चाहते हैं।

अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि बीटीआई ग्रांड वहां के बच्चों के खेल कूद के लिये आरंभित है। सरकार उसका कैसे व्यवसायिक उपयोग कर सकती है। सरकार पैसा कमाने की होड़ में राजधानी के आम आदमी की नागरिक सुविधाओं को छीनने का काम मत करे। सरकार बताये कि बीटीआई ग्रांड पर यदि कमर्शियल और रेसीडेंसियल निर्माण होता है तो इस ग्रांड का विकल्प सरकार के पास क्या है? राजधानी में ऐसे कितने खुले मैदान उपलब्ध हैं। जहां नागरिक अपनी सामान्य खेल कूद, सामाजिक सांस्कृतिक और सांस्कृतिक गतिविधियां कर पायेंगे।

**CHHATTISGARH STATE**  
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking)  
**OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER**  
Website: [www.cspc.co.in](http://www.cspc.co.in) E-Mail: [info@csco.in](mailto:info@csco.in)  
No. 02-05/Pur/Tender-53

**NOTICE INVITING TENDERS**  
Sealed tenders are invited from citizens of India for the purchase of

| Sl. | Tender No.                                       |
|-----|--------------------------------------------------|
| 1   | <b>Tender -537</b><br><b>RFx No.- 8100054924</b> |

For all other details of the tender visit the website [www.cspc.co.in/cspcl/tenders](http://www.cspc.co.in/cspcl/tenders)

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग

## विजयादशमी का पर्व सत्य, धर्म और मर्यादा की जीत का प्रतीक : बोहरा

## ■ दशहरा उत्सव में शामिल हुई विधायक भावना बोहरा

**पंडरिया ( विश्व परिवार )**  
विजयादशमी को पावन अमरस पर  
मौ महामया दुर्गा उत्सव समितिक  
तत्त्वावधान में पीपलश्री स्वामी  
आत्मानंद स्थूल मैदान में भव्य  
दशहरा उत्सव का आयोजन किया  
गया। कार्यक्रम में पंडरिया  
विधायक भावना बोहरा मुख्य  
अतिथि के रूप में शामिल हुई  
उन्होंने समस्त क्षेत्रवासियों को  
विजयादशमी को शुभकामनाएं देते  
हुए आयोजन का भव्यता और  
सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत

बनाए रखने के लिए आयोजन समिति एवं नगरवासियों को बधार्द दी। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ की सुप्रसिद्ध गायिका श्वेता महिमा दास और गायक नवीन साहू द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। हजारों की संख्या में उपस्थित नगर एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साह और उल्लास के साथ इस पर्व में सहभागिता की।

इस अवसर पर विधायक भावना बोहरा ने कहा कि विजयादशमी का पर्व हमें स्मरण कराता है कि जीवन में वास्तविक जीत सत्य, सदाचार और धर्म के मार्ग पर चलने से प्राप्त होती है।



प्रभु श्रीराम का जीवन त्याग, मर्यादा, कर्तव्यनिष्ठा और लोककल्याण की अनुपम मिसाल है। उनके आदर्श हमें सिखाते हैं कि परिस्थितियाँ कितनी भी कठिन क्यों न हों, अपने सिद्धांतों और कर्तव्यों से कभी विमुख नहीं होना चाहिए। यह पर्व हमें अपने भीतर की बुराइयों को पहचानने, अहंकार का त्याग करने और समाज में

प्रेम, सहयोग एवं भाईचारे की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है।

भावना बोहरा ने कहा कि दशहरा केवल रावण दहन अथवा उत्सव मनाने का अवसर नहीं, बल्कि स्वयं के आचरण का मूल्यांकन करने और समाज के प्रति अपने दायित्वों को समझने का भी पर्व है।


**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्रं.-2)**  
**शहीद स्मारक क्लब भवन, फाफाडीह, रायपुर**  
**Email ID - rmczone2@gmail.com**  
**पत्र क्रं./36456/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026**  
**समय दिनांक :- 21-10-2026**  
**इशतिहार**  
**नामांतरण प्र.क्र. 36456**  
**वार्ड का नाम - 27 - इंदिरा मणी वार्ड**  
 एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि  
 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रांपर्ज-  
 अ.डी.- **RPR73BD00307** जो कि  
 निगम **श्री/श्रीमती** **श्री/श्रीमती**  
**RAJENDRA PRASAD MISHRA**  
**प्राजा/पति, श्री/श्रीमती** **...** के नाम से दर्ज है,  
 जिसको श्री/श्रीमती **श्रीमती नरजेंद्र मिश्रा**  
**श्री/श्रीमती स्व. राजेंद्र प्रसाद**  
**मिश्रा** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ  
 पत्र, दान पत्र, हिव्यानाम, रजिस्ट्री विलेख  
 के अनुसार शपथ पत्र, सत्यापन, मृत्यु  
**प्रमाण पत्र बैनामा / वंशावृक्ष** अन्य  
 अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम  
 अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत  
 द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई  
 व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में  
 हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15  
 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक के सहित  
 लिखित में अपना दावा/प्रस्ताव  
 निगमिर्त समयावधि पर्यन्त प्राप्त प्राप्त  
 द्वारा/आपसी पत्र किसी प्रकार की सुनवाई  
 नहीं की जाएगी। जिसके लिए  
 कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।  
 सूचना जारी की।  
**श्री संतोष पाण्डेय**  
**(जोन कांश्नर)**  
**जोन क्रमांक - (2)**  
 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन कं.-6)**

आई.एस.टी.डी. नुसुख ताल, राणभाटा, रायपुर  
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्र./35922/न.प.नि.जोन कं. 6/2026  
रायपुर दिनांक : 21-10-2026

**इशतिहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 35922**

**वार्ड का नाम- 59 मोरेखरा ग्राम गढ़े वार्ड**

एस्तद द्वारा सूचित किया जाता है कि 59 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी.- **RPR653F00179** जो कि निगम अधिलेख जो श्री/श्रीमती **JABUN NISHA** अधिलेख, श्री/श्रीमती **A. KADIR** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **SAHIN PRAWEN** अधिलेख श्री/श्रीमती **MD IRSHAD ALI** ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, साथथ पत्र, दान पत्र, हिस्बानामा, रजिस्ट्री विवरण के अनुसार/ **पंजीकृत विक्रय विलेख** / अन्य अधिलेख द्वारा प्राल नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 को धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वायत्त परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित रूप में अपावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयवधि परचारा पत्र दामा/अपॉर्षि पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें

( जोन कमिश्नर  
जोन क्रं. - 6  
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्र.-८)**

**मोहवा बाजार, रायपुर**  
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**

**पत्र क्र./36452/ ज.पा.नि./जोन क्र.-८/2026**  
**रायपुर, दिनांक 21-10-2026**

## इशितहार

**नामांतरण प्र.क्र. : 36452**

वाई का नाम- 19- ०६. ए.सी.जे. अद्वुल कताब वॉर्ड  
एब्दु द्दाव सूचित किया जाता है कि वाई  
19 स्थित भवन/भूमि विस्का प्रॉपर्टी आई.डी.  
**RPRR802N0640A** जो को निगम अधिलेख  
श्री/श्रीमती **URMILA BAI** पिता/परित,  
श्री/श्रीमती **PANCHUAL SAHU** के नाम  
से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **LIKESH**  
**SARMA** पिता/परित, श्री/श्रीमती **SHRI**  
**PANCHU RAM SAHU** ने मृत्यु प्रमाण पत्र,  
सह पत्र, शपथ पत्र, अनुपत्र, हिल्बाना, ना  
167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई  
रजिस्ट्री विलेख के अनुसार **पंजीकृत विक्रय**  
**विवरण / संशतुक्रम**अन्य अधिलेख द्वारा प्राप्त  
नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 को धारा  
167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई  
व्याक्ति/संस्था उपरोक्त स्थायीत्व परिवर्तन में हक  
या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर  
प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना  
दानवा/प्रस्तुत करें। निर्भाति समयावधि पचात्त  
प्राप्त दानवा/आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई  
नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय  
जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करै-

**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**  
(**जोन कमिश्नर**)  
**जोन क्रमांक-( 8 )**  
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)


**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्र.-8)**  
**मोहवा बाजार, रायपुर**  
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**  
**पत्र क्र./36413 / प.ना.नि./जोन क्र.-8/2026**  
**रायपुर, दिनांक 21-10-2026**  
**इशितहार**  
**नामानांतरण प्र.क्र. 36413**  
 एवं का नाम-2. जगहार लाल नेहा बाई  
 एड्स द्वारा सूचित किया जाता है कि विार्ड 2  
 स्थित भवन/भूमि जिसका पॉपर्टी आई.डी.  
**RPR802J00005** जो को नाम अर्धलेख  
 श्री/श्रीमती **ANIL B. TAUNK** पतिता, श्री/श्रीमती  
**LATE BHUPENDRA P**  
**KUMAR** को नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती  
**RAANI TAUNK** पतिता, श्री/श्रीमती  
**TARUN KUMAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह  
 पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्यानावा, रजिस्ट्री  
 विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख /  
 संयुक्त/माम/अन्य अधिभेख द्वारा प्राप्त नगर  
 पालिक निगम अधिनियम 1956 को धारा 167  
 के तहत द्वारा अधिदान किया है। यदि कोई  
 व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्थानाल पतिवर्तन में हक  
 या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर  
 प्रकाशन क्रमांक सहित लिखित में अपना  
 दावा/प्रस्तुत करें। निर्भाति समयावधि पचात  
 प्रादा/आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई  
 नहीं होगी। जिसके लिए यह कार्यालय  
 जिम्मेदार नहीं होगा।  
 -सुनवा जारी करें-  
**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**  
**(जोन कमिश्नर)**  
**जोन कमार्क- ( 8 )**  
 नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्र.-8)**  
**मोहवा बाजार, रायपुर**  
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**

**पत्र क्र. /35745/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026**  
**रायपुर, दिनांक 21-10-2026**

**इशितहार**  
**नामान्तराज प्र.क्र. 35745**  
**का नाम- 2- पं. जवाहर लाल नेहरू बार्ड**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि विार्ड 2 स्थित भवन/गृहमिसका प्राप्तीय आई.डी. **RPR802H00046** को को निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **RAJEEV WADHWA** पिता/पति, श्री/श्रीमती **L.T. N.P. WADHWA** के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती **KAILASH NATH SINGH** पिता/पति, श्री/श्रीमती **GIRJJA SHANKAR SINGH** ने मूल प्रमाण पत्र, सह पत्र, राशय पत्र, दान पत्र, हिस्सेनामा, राशियुद्ध विलेख के अनुसार/पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अभिलेखन 1956 को धारा 167 के तहत द्वारा उपरोक्त किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था आवेदन स्वीकृत परिवर्तन में हक या दावा रखता है, जिसके 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयबाधि पश्चात प्राप्त दावा/अपील पर किसी प्रकार को सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-

**श्रीमती राजेश्वरी पटेल**  
**(जोन कमिश्नर)**  
**जोन कमार्क-8**  
**नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)**


**कार्यालय नगर पालिक निगम**  
**रायपुर (जोन क्र.-8)**  
**मोहवा बाजार, रायपुर**  
**E-mail ID - rmczone8@gmail.com**  
**पत्र क्र./36426/ प.ना.नि./जोन क्र.-8/2026**  
**रायपुर, दिनांक 21-10-2026**  
**इशितहार**  
**नामांतरण प्र.क्र. 36426**  
 का नाम-2.- द. जवाहर लाल नेहरू बाई  
 एवं दारु प्रसाद कृष्ण किया जाता है कि विार्ड 2  
 स्थित भवन/भूमि मिसका प्रॉपर्टी आई.डी. .  
**RPR802100726** जो की निगम अफिलेख  
 श्री/श्रीमती **DEVASHISH CHATARJI**  
 पिता/पति, **P. CHATARJI** के नाम  
 से दर्ज है, जिसका नाम श्रीमती **SMT**  
**VARSHA SHRIVASTAVA** पिता/पति,  
 श्री/श्रीमती **SHRI AMOL SHRIVASTAVA**  
 ने मूल्य प्रमाण पत्र, सस् पत्र, रायच पत्र, दान पत्र,  
 हिस्बानामा, रायस्त्री विलेख के अनुसार/  
**पंजीकृत विक्रय विलेख** / वंशानुक्रम/अन्य  
 अपिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम  
 अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत प्राप्त  
 आवेदन किया है । यदि कोई व्यक्ति/संस्था  
 उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा  
 रखता है, सहित के 15 दिन के पाता प्रकरण  
 केन्द्र, सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत  
 करें। निर्धारित समयबाधि पश्चात प्राप्त  
 दावा/अपिल पत्र किसी प्रकार की सुनवाई नहीं  
 की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय  
 जिम्मेदार नहीं होगा।  
 -सूचना जारी करे-  
**श्रीमती जजेरवरी पटेल**  
**(जोन कमिश्नर)**  
**जोन क्रमांक- ( 8 )**  
 नगर पालिक निगम, रायपुर( छ.ग.)

**कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्र.-9)**  
बुलिस थाना के पास, दुर्गे कॉलोनी, मोवा, रायपुर  
E-mail ID - rmczone9@gmail.com

प्र.क्र. 3/36143 : न.पा.नि./जोन क्र.-9/2026  
रायपुर, दिनांक 21-10-2026

**इशितहार**

**नामांतरण प्र.क्र. 36143**

**वाई का नाम -7 सुभाषाङ ठाकुरे बाई**

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वाई  
7 स्थित भवन/पर्युषित जिसका प्रॉपर्टी आई.डी.  
**RPR226E01497** जो की निगम अखिले  
श्री.श्रीमती **BHANUMATI** पिता/पति,  
श्री.श्रीमती **MORAR J T TANK** के नाम से  
दर्ज है, जिसको श्री.श्रीमती **रामेश्वरी वर्मा**  
पिता/पति, श्री.श्रीमती **रोजेकर लाल वर्मा**  
ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, रायपथ पत्र, दान पत्र,  
हिल्बान्मा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/  
**पंजीकृत विक्रय निवेदन** (वस्तुगत/ अन्य  
अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम  
अर्धिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा  
आवेदन किया है। यहाँ कोई व्यक्ति/ संस्था  
उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा  
रखते हैं, प्रकटन के 15 दिन के भीतर प्राप्त  
करके, सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत  
करें। निर्धारित समावधान पश्चात प्राप्त  
दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं  
की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय  
जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-  
**श्री हितेन्द्र यादव**  
(जोन कार्यालय)  
जोन क्रमांक-9  
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

 **कार्यालय नगर पालिक निगम,  
रायपुर (जोन क्र.-9)**  
विशेष थाना के पास, बूढ़े कॉलोनी, मोबा. रायपुर  
E-mail id :- rmczone9@gmail.com  
पत्र क्र. /36251/न.प.नि./जोन क्र.-9/2026  
रायपुर, दिनांक 21-10-2026

**इश्तिहार**

नामांतरण प्र.क्र. 36215

का नाम-7- कुरुभाऊ ठाकरे बाई

एकदम द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड  
17 स्थित मकान/घूम जिसका पंजीर्य आई.डॉ.  
RPR226E05105 जो की नगरम अभिलेख  
पंजीकृत श्री CHETAN SAHU पिता/पति,  
श्री/श्रीमती NATHU LEEM SAHU के  
नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ईश्वर  
दास साहू पिता/पति, श्री/श्रीमती खुसान साहू  
ने मूल्य प्रमाण पत्र, सह पत्र, साथथ पत्र, दान  
पत्र, हबिन्दानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/  
पंजीकृत विलेख (वेंशादक्रमांक/ अन्य  
अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम  
अधिनिगम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा  
आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/ संस्था  
उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा  
रखते हैं, प्रसाहन के 15 दिन के भीतर प्रत्येक  
क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत  
करें। निम्नलिखित समवायित्व पत्रचात प्राप्त  
दावा/आपति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं  
की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय  
जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करी-

श्री हितेन्द्र यादव  
(जोन कमिश्नर)  
जोन क्रमांक-9  
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

